RNI:RAJHIN/2013/53539
Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2024-26
Licensed to Post without pre-payment
No. RJ/WR/WPP/18/2024-26
Posted at Shantivan P.O. Dt. 17 to 20 of Each Month

शिव आमंत्रण

सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण
वर्ष-12, अंक-07, हिन्दी (मासिक), जुलाई 2025, पृष्ठ 16, मूल्य- 12:50

02
नए भारत के निर्माण की आधारशिला..

चार दिवसीय अखिल भारतीय साधु-संत महासम्मेलन आयोजित

संत बोले- ब्रह्माकुमारीज़ में दी जा रही परमात्मा से जोड़ने की शिक्षा

शिव आमंत्रण, आबू रोड। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के आनंद सरोवर परिसर के दिव्य अनुभूति हॉल में चार दिवसीय अखिल भारतीय साधु-संत महासम्मेलन आयोजित किया गया। परमपिता परमात्मा शिव अब पुनः प्रजापिता ब्रह्मा के माध्यम से गीता ज्ञान सुना रहे हैं विषय पर आयोजित इस महासम्मेलन में देशभर से 300 से अधिक साधु संत और महात्माओं और एक हजार लोगों ने भाग लिया। अलग-अलग सत्रों में संत-महात्माओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि गीता ज्ञान को जीवन में अपनाकर ही परिवर्तन संभव है। गीता ज्ञान भगवान का दिव्य गीत है। इस राह पर चलने से जीवन दिव्य और महान बन जाता है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान सतातन धर्म को आगे बढ़ाने और लोगों को गीता ज्ञान देने का कार्य कर रही है। व्यक्ति के जीवन में आध्यात्मिक ज्ञान से ही परिवर्तन संभव है।

देशभर से 300 से अधिक साधु, संत और महात्मा पहुंचे भाग लेने

संत बोले- ब्रह्माकुमार और ब्रह्माकुमारी श्वेत वस्त्रों में संत हैं, प्रेम क्या होता है वह यहां आकर सीख सकते हैं

परमात्मा एक शक्ति है, एक ऊर्जा है

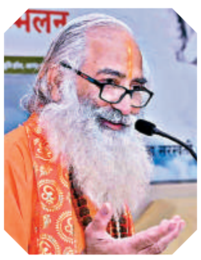

परमात्मा एक शक्ति है, एक ऊर्जा है। वह जब इस धरती पर आए तो ब्रह्मा तन का आधार लेकर सृजन का कार्य किया। जो सृजन करता है उसे ब्रह्मा कहा जाता है। मैंने ब्रह्माकुमारीज़ में सीखा है कि यहां कुछ त्यागना है तो बुराई को त्याग कर जाओ। ब्रह्माकुमार और ब्रह्माकुमारी श्वेत वस्त्रों में संत हैं। प्रेम क्या होता है वह ब्रह्माकुमारी आश्रम में आकर सीख सकते हैं।
- महामंडलेश्वर कमल किशोर महाराज, सहारनपुर, उप्

सबसे पहले खुद को जानना होगा

जन्म और मृत्यु के बीच जो है वह जीवन है। यही वेद, मनीषी और ब्रह्माकुमारी में सिखाया जाता है कि मैं कौन हूं। मेरा असली परिचय क्या है। मुझे जानना है तो सबसे पहले यह जानना होगा कि मैं आया कहां से हूं। ब्रह्मा बाबा ने यही संदेश दिया कि हम सभी आत्माएं हैं। सभी एक परमपिता परमात्मा की संतान हैं। **- महामंडलेश्वर स्वामी दिनेशानन्द भारती महाराज,** रुड़की, उत्तराखंड

यहां धर्म, संप्रदाय, जाति नहीं पूछी जाती

जो महापुरुष अहंकार से मुक्त हो जाते हैं वह दिव्यता को प्राप्त करते हैं। इतने संत महात्मा होने के बाद भी सनातन धर्म कितना बिखरा हुआ है। हम सभी को एक होना पड़ेगा। ब्रह्माकुमारी ऐसी संस्था है जहां किसी से कोई धर्म, संप्रदाय, जाति नहीं पूछी जाती है। गीता ही भगवान का गीत है, जिससे ही सभी के अंदर ज्ञान निकला है। ये बहनें ज्ञान से लोगों को आपस में जोड़ रहीं हैं। **- महामंडलेश्वर स्वामी स्वतन्त्रानन्द गिरी,** ऋषिकेश

पवित्रता के बल से ही बदलेगी दुनिया

वीडियो संदेश में महासचिव राजयोगी बीके बृजमोहन भाई ने कहा कि भागवत गीता में वर्णित पवित्रता के बल से ही दुनिया में परिवर्तन आएगा। अतिरिक्त महासचिव डॉ. बीके मृत्युंजय भाई ने कहा कि परमपिता शिव परमात्मा इस धरा पर आकर मानव आत्माओं को सच्चा गीता ज्ञान दे रहे हैं। ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी बीके आशा दीदी ने कहा कि आध्यात्मिक सत्ताओं को मिल कर एक मंच पर आना होना।

इन्होंने भी किया संबोधित

धार्मिक प्रभाग की अध्यक्षा बीके मनोरमा दीदी, गीता ज्ञान विदूषी बीके ऊषा दीदी, बीके वीणा दीदी, प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बीके रामनाथ भाई, जोनल संयोजक बीके नारायण भाई, बीके डॉ. पुष्पा पांडे सहित अन्य संत-महात्माओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मधुर वाणी ग्रुप के कलाकारों ने स्वागत गीत पेश किया। अहमदाबाद की बीके डॉ. दामिनी बहन ने गीत प्रस्तुत किया। संचालन बीके वीणा बहन ने किया।

यहां आकर जीवन बदल जाता है

ब्रह्माकुमारीज़ के जो सानिध्य और संपर्क में आता है तो उसका जीवन पूरी तरह बदल जाता है। व्यक्ति के जीवन में सकारात्मकता आ जाती है। यहां जीव को उसका मूल बताने का प्रयास किया जा रहा है। हमारा सनातन धर्म प्रश्न और उत्तर को लेकर है। जब तक जीवन में प्रश्न नहीं होगा तो समाधान नहीं मिल सकता है। शांति हमें बाहर नहीं ढूंढनी है, शांति हमारे भीतर ही है।
- महामंडलेश्वर स्वामी अखलानन्द अक्रिय महाराज, हरिद्वार

सनातन को आगे बढ़ा रही है ब्रह्माकुमारीज़

लोगों में आज भी गलत भ्रांतियां हैं कि यह संस्था सनातन विरोधी कार्य कर रही है। मैंने इस ज्ञान को समझा है और संस्था को जाना है। मैं कह सकता हूं ब्रह्माकुमारीज़ संस्था सनातन को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। यहां गीता ज्ञान दिया जाता है। लोगों को परमात्मा से जोड़ने की शिक्षा दी जा रही है।
- जगतगुरु देवमुरारी बापू, राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्रीकृष्ण भूमि जन्म न्यास, अयोध्या-वृंदावन

ॐ शांति सनातन धर्म का आधार है

ॐ शांति सनातन धर्म का आधार है। ॐ अर्थात परमात्मा। ॐ ही उस परमात्मा का प्रथम नाम है। ज्ञान और भक्ति का उद्देश्य आनंद की प्राप्ति है। संसार में ऐसा कोई प्राणी नहीं है जो आनंद नहीं चाहता हो। उस परमात्मा का स्वरुप भी सत चित आनंद स्वरुप है। नारी को आध्यात्मिक धारा से जोड़ने का कार्य ब्रह्माकुमारीज़ संस्था कर रही है।
- महामंडलेश्वर स्वामी कृष्णानंद महाराज, मथुरा, उप्र

राजयोगी किड्स समर कार्निवाल

नए भारत के निर्माण की आधारशिला हैं बच्चे

बच्चों ने स्केटिंग, नृत्य, रस्साकशी, नींबू दौड़, बोरा दौड़ और लंबी कूद में दिखाए करतब

देशभर की संस्कृतियों में सजे नजर आए नैनिहाल, विजेताओं को किया गया पुरस्कृत, दादी प्रकाशमणि पार्क में बच्चों ने देखा लेजर वाटर शो

शिव आमंत्रण, आबू रोड, राजस्थान।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शांतिवन में आयोजित राजयोगी किड्स समर कार्निवाल में बच्चों ने हर एक विधा में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसमें देशभर से दो हजार से अधिक बच्चों ने खेलकूद से लेकर संगीत, नृत्य स्पर्धा में अपने जौहर दिखाए। इन स्पर्धाओं में देशभर की विभिन्न संस्कृति और लोक कलाओं के दर्शन हुए। समापन पर आयोजित सम्मान समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों का सम्मान किया गया। कार्निवाल के दौरान बच्चों ने विशेष रूप से राजयोग मेडिटेशन, मोटिवेशनल क्लासेस में रुचि से भाग लिया। वहीं म्यूजिकल एक्सरसाइज में खेल-खेल में स्वस्थ रहने के टिप्स सीखे। संचालन शिक्षा प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका बीके शिविका बहन ने किया।

अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया-

बच्चों को एक्टीविटीज कराने के लिए अलग-अलग ग्रुप बनाए गए। इन ग्रुप के नाम वरिष्ठ दादियों के नाम पर दादी मनोहर हाउस, दादी निर्मल शांता हाउस, दादी जानकी हाउस, दादी गुलजार हाउस, दादी चंद्रमणि हाउस, दादी प्रकाशमणि हाउस, दादी बृजेन्द्रा हाउस, दादी रतनमोहिनी हाउस के नाम पर रखे गए हैं। मधुरवाणी ग्रुप के कलाकारों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। रात में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

बेटी बचाओ से लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश-

चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, आधुनिक युग की नारी, बेटी भारत की शान, स्वच्छता अभियान, भारत की सांस्कृतिक धरोहर, योगी की ध्यान मुद्रा की आकृतियों को मन के भावों के जरिए उकेरा। कई बच्चों ने पर्यावरण प्रदूषण, जल संरक्षण को लेकर पेंटिंग बनाई। योग का महत्व बताते हुए भारतीय पुरातन संस्कृति को दिखाया। लेखन प्रतियोगिता में भी बच्चों ने अपने लेखन कौशल का परिचय कराया।

नशे से मुक्ति के लिए भारतमाता की पुकार

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बच्चों ने बीड़ी, सिगरेट, पान-तंबाकू, ड्रग्स के रोल में अपनी अदाकारी से सभी को सामाजिक संदेश देने के साथ मन मोह लिया। बच्चों ने नशे की लत और उससे होने वाले नुकसान के बारे में बताते हुए दूर रहने का आह्वान किया। नशे के कारण कैसे व्यक्ति का मानसिक, पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक पतन हो जाता है। परिवार बिखर जाता है और मौत के काल में समां जाता है।

इन्होंने भी किया संबोधित

- मुम्बई से आईं वाईस आर्टिस्ट पारुल भटनागर ने कहा कि बच्चों को देखकर लग रहा है कि ये बच्चे आज के नहीं बल्कि सतयुगी बच्चे हैं। यहां आने से बच्चों में सकारात्मकता आती है।
- शिक्षा प्रभाग की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बीके शीलू दीदी ने कहा कि शिक्षा प्रभाग का यह प्रयास पिछले 30 से ज्यादा वर्षों से चल रहा है। इससे बड़ी संख्या में बच्चों का भविष्य बना है। सैकड़ों बच्चे आज आदर्शमूर्त्त बन नए भारत के निर्माण में सहयोगी हैं।
- मेडिकल प्रभाग के सचिव डॉ. बनारसी लाल ने कहा कि बच्चों को नशे की लत से दूर रखना है। इसके लिए हमें लगातार प्रयास करने की जरुरत है। सभा में उपस्थित बच्चों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई।

किसी भी परिस्थिति में घबराएं नहीं बच्चे : बीके शिवानी दीदी

कार्निवाल के दूसरे दिन अंतरराष्ट्रीय प्रेरक वक्ता बीके शिवानी दीदी ने बच्चों को डिजीटल के दुष्प्रभाव और अपने जीवन में श्रेष्ठ संस्कारों को अपनाने के टिप्स बताए। तन और मन से स्वस्थ रहने के लिए प्रातः काल से रात्रि तक की दिनचर्या बताई। उन्होंने कहा कि जीवन में किसी भी परिस्थिति में घबराएं नहीं, फिर चाहे परीक्षा हो या और कोई परिस्थिति। मोबाइल का उपयोग सोच-समझकर करें। इससे लाभ तो है ही साथ ही बड़ा नुकसान भी है। मोबाइल के उपयोग का एक नियम बनाएं। मोबाइल की लत हमें बहुत नुकसान पहुंचा सकती है। हमेशा अच्छी चीजों को ही अपनाएं। प्रातः काल राजयोग ध्यान और आध्यात्मिक ज्ञान को जीवन का अंग बनाएं।

आने वाले नए भारत के भविष्य हैं ये बच्चे : इमरान पटेल

अहमदाबाद के सुप्रसिद्ध डॉक्टर इमरान पटेल ने कहा कि छोटे बच्चों का भविष्य संवारने से ही देश का विकास होगा। छोटे बच्चे नए भारत के निर्माण की आधारशिला होते हैं। उनके मन-मस्तिष्क को बचपन से ही सकारात्मक और शक्तिशाली बनाने की जरुरत है। डिजिटल युग में नौनिहालों के जीवन में सकारात्मक और श्रेष्ठ संस्कारों का बीजारोपण जरुरी है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान में आए इन बच्चों को निश्चित तौर पर श्रेष्ठ संस्कारों के प्रति रुझान बढ़ेगा। प्रातः काल राजयोग ध्यान और आध्यात्मिक ज्ञान से बच्चों के जीवन में श्रेष्ठ परिवर्तन आयेगा।

बच्चों में बालपन से ही आध्यात्मिक तथा मूल्यों वाली शिक्षा का होना अति आवश्यक है। इससे ही बच्चे संस्कारवान बनेगे। प्रत्येक माता पिता को इसका अधिक ध्यान देने की जरुरत है। स्कूलों में भी बच्चों को मूल्यों की शिक्षा की अति आवश्यक है। जिससे बच्चों के जीवन में अच्छे संस्कार आये।
- बीके करुणा भाई, अतिरिक्त महासचिव, ब्रह्माकुमारीज़

बच्चों के अन्दर मूल्यों वाले संस्कार अति आवश्यक हैं। आज की युवा पीढ़ी वर्तमान डिजीटल युग में भटकने की ओर तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में जरूरी है कि हम उन्हें संस्कारों के प्रति सचेत करें और सिखाएं। प्रत्येक माता-पिता को अपने घर से ही शुरुआत करना चाहिए। आप सभी बच्चों को देखकर बहुत खुशी हो रही है। यहां से जब जाएं तो जो बातें सिखाईं गईं है उन्हें अपने जीवन में धारण करें। इससे सफलता मिलती रहेगी।
- डॉ. बीके मृत्युंजय भाई, अतिरिक्त महासचिव, ब्रह्माकुमारीज़

सनातन कृषि संस्कृति द्वारा ग्राम स्वराज्य राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

तपोवन जैसा मॉडल कृषि विज्ञान केंद्रों में बनाएं : सांसद

शिव आमंत्रण, माउंट आबू, राजस्थान। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग द्वारा ज्ञान सरोवर परिसर में सनातन कृषि संस्कृति द्वारा ग्राम स्वराज्य विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें देशभर से 400 से अधिक कृषि वैज्ञानिक, कृषि अधिकारी और उन्नतशील किसानों ने भाग लिया।

सम्मेलन में लोकसभा सांसद पुरुषोत्तम रुपाला ने कहा कि हमारे पूर्वज जो गांवों में रहते थे, वे प्रकृति प्रेम और परस्पर निःस्वार्थ सहयोग की गौरवशाली परम्पराओं का सहज ही पालन करते थे। वे सर्व के कल्याण की भावना को प्राथमिकता देते थे और अपने बच्चों को भी उन्हीं मूल्यों के साथ जीने की प्रेरणा देते थे। हमारे गाँव पूरी तरह आत्मनिर्भर थे। लेकिन कालांतर में रासायनिक खेती के कारण उनकी आत्मनिर्भरता में कमी आई है। भारत में प्राचीन काल से किसान को सम्मानपूर्वक जगत का तात् व अन्नदाता की उपाधि दी गई है। किसान ने अनेक कष्ट उठाते भी समाज के लिए अन्न उपजाने का कार्य अथक होकर सदा जारी रखा है। चाहे अकाल आये चाहे बाढ़ आये, लेकिन हर परिस्थितियों का सामना करते हुए भी उसने अपना यह कार्य छोड़ा नहीं है। तभी कृषि को सनातन कृषि कहा जाता है।

वर्तमान समय में प्राकृतिक खेती की तरफ लौटना आवश्यक हो गया है। किन्तु इसके लिए पहले पशुपालन की तरफ ध्यान देना होगा। बिना गाय पालन के ऐसी खेती संभव नहीं है। पहले हमें गेहूं बाहर के देशों से मंगाना पड़ता था लेकिन आज कृषि नीति व किसानों के प्रयासों से हम आज अन्य देशों को अनाज देकर मदद करते हैं। मैंने आपके तपोवन में जो प्राकृतिक खेती का प्रैक्टिकल मॉडल बनाया है वह देखा और उनसे आग्रह किया कि मेरे क्षेत्र में भी एक स्थान ऐसा ही मॉडल स्थापित करें, ताकि अन्य सभी को प्रेरणा मिल सके। तपोवन जैसे छोटे किसानों के लिए मॉडल भारत सरकार के आईएसआर से मिलकर कृषि विज्ञान केन्द्रों पर बनाए जाएं तो इसका बहुत अच्छा असर होगा। शाश्वत खेती को आपने आध्यात्मिकता के साथ जोड़ा है, जिसे कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से और अधिक व्यापक बनाये जाने की आवश्यकता है।

चन्द्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज द्वारा सनातन कृषि संस्कृति जैसे विषय का चयन बहुत ही महत्वपूर्ण है न केवल वर्तमान के लिए बल्कि भविष्य के अनेक दशकों के लिए। यह विषय न केवल देश हित में है बल्कि पूरी मानवता का भला करने वाला है। भारत प्राचीन काल से प्राकृतिक खेती करता आया है। पहले गाय के गोबर का उपयोग खाद के रुप में किया जाता था। आज भले ही पहले की तुलना में हर चीज का उत्पादन बढ़ा है लेकिन जमीन की मिट्टी की क्वालिटी खराब हो गई है। मिट्टी, पानी सबको प्रदूषित कर दिया है। रसायनिक खेती से मनुष्य भी परेशान है और प्रकृति भी रौद्र रुप धारण कर चुकी है।

कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा बीके सरला दीदी ने कहा कि आध्यात्मिकता भी एक विज्ञान है। अगर भौतिक व आध्यात्मिक विज्ञान का समन्वय करें तभी सर्वांगीण विकास सम्भव है। देश का सबसे बड़ा वैज्ञानिक किसान है जिसे किसी विश्व विद्यालय से डिग्री लेने की जरूरत नहीं है, उसे कृषि का कौशल प्राचीन धरोहर के रूप मिला हुआ है। प्रभाग ने लक्ष्य रखा है कि किसान को सशक्त बनायें तो गांव आत्मनिर्भर बनेंगे और फिर देश आत्मनिर्भर और सशक्त बनेगा। कृषि निदेशालय लखनऊ के पूर्व असिस्टेंट डायरेक्टर बीके बद्री विशाल ने कहा कि ग्राम स्वराज्य का अर्थ है गाँवों का स्वशासन। महात्मा गांधी कहते थे ग्राम स्वराज्य से हिन्द स्वराज और रामराज्य की स्थापना हो। ग्राम स्वराज्य के मुख्य घटक हैं आत्मनिर्भरता, सामूहिक भागीदारी, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, नैतिक मूल्य और अहिंसा व सर्वांगीण विकास। यह सभी घटक सनातन कृषि संस्कृति के अन्दर समाहित है जिसे हम योगिक खेती कहते है| उन्होंने विभिन्न शास्त्रों और परम्परों के उदाहरण देते हुए प्रकृति प्रेम और परमात्म की याद को सनातन कृषि संस्कृति का मूलाधार बताया | उन्होंने कहा कि सनातन कृषि द्वारा ही सामूहिक भागीदारी तथा परस्पर सहयोग के साथ आत्मनिर्भरता सुनिश्चित की जा सकती इसके अलावा ग्राम स्वराज के सपने को साकार करने का कोई विकल्प नहीं है। इस सम्मेलन का उद्देश्य ही है कि एक दीप से अनेक दीपों को जगाया जाय।

ज्ञान सरोवर की निदेशिका बीके प्रभा दीदी ने कहा कि परमात्मा शिव ने हम सभी को एक मंत्र दिया है कि स्व-परिवर्तन से विश्व परिवर्तन। स्व परिवर्तन के लिए स्व की सत्य पहचान चाहिए। प्रभाग के उपाध्यक्ष बीके राजू भाई ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। राष्ट्रीय संयोजिका बीके सुनंदा दीदी ने राजयोग का अभ्यास कराया। संचालन राष्ट्रीय संयोजिका बीके तृप्ति दीदी ने किया। आभार मुख्यालय संयोजक बीके सुमंत ने माना।

वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान एवं विकसित कृषि संकल्प अभियान को लेकर तपोवन में कार्यक्रम आयोजित

वैज्ञानिक तरीके से खेती करेंगे तो मिलेगी सफलता: डॉ. जेपी मिश्रा

शिव आमंत्रण, आबूरोड।

ब्रह्माकुमारीज़ के तपोवन परिसर में संस्थान के कृषि एंव ग्राम विकास प्रभाग और कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान एवं विकसित कृषि संकल्प अभियान को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें किसानों को जैविक-यौगिक खेती के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

जोधपुर से आए कृषि तकनीकी अनुप्रयोग अनुसन्धान संस्थान के निदेशक डॉ. जेपी मिश्रा ने कहा कि खेती में सफलता के लिए सबसे जरूरी है कि किसान वैज्ञानिक विधि से खेती करें। प्राकृतिक तरीके से अपने घर व खेत में ही जैविक खाद तैयार करें। कम से कम रासायनिक खाद का उपयोग करें।

जोधपुर अटारी के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. बीएल जांगिड़ ने कहा कि खेती के साथ आज किसानों के लिए सबसे जरूरी है कि मन की शांति और तन का सुख। खेती को खुशी-खुशी, प्रसन्नता के साथ करें। सिरोही के कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. सुरेश कुमार खिंची ने कहा कि देश के 700 जिलों में दो हजार से अधिक वैज्ञानिक दलों द्वारा किसानों को विकसित कृषि संकल्प अभियान की जानकारी दी जा रही है। नाबार्ड के डीडीएम दिनेश प्रजापत, उद्यान विभाग के उप निदेशक डॉ. हेमराज मीणा, आत्मा परियोजना के उप निदेशक डॉ. ओम प्रकाश बैरवा ने भी संबोधित किया। राजऋषि गोकुल ग्राम प्रकल्प के संयोजक बीके चंद्रेश भाई ने कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग द्वारा विकसित किए गए गोकुल गांव के मॉडल के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि यदि किसान ठान लें तो अपने गांव की तस्वीर बदल सकते हैं। यौगिक खेती में नए-नए प्रयोग कर रहे बीके भीका भाई ने वीडियो के माध्यम से किसानों को जैविक खाद बनाने की विधि बताई। साथ ही यौगिक खेती की बारीकियों को गहराई से बताया। डॉ. पन्नालाल चौधरी ने भी संबोधित किया।

राजयोग से कराई शांति की गहन अनुभूति

भीनमाल की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके गीता दीदी ने कहा कि किसान सबसे आत्म विश्वासी होता है। जीवन में कितनी भी विपरीत परिस्थिति आए लेकिन कभी थैर्य नहीं खोएं। हिम्मत के साथ काम लें। खेती को खुशी के साथ करें। आपने राजयोग मेडिटेशन से सभी को शांति की गहन अनुभूति भी कराई। इस मौके पर प्रभाग के बीके शशीकांत भाई, बीके प्रहलाद भाई, बीके सुमंत भाई, बीके लल्लन भाई भीका भाई सहित जिलेभर से आए कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और आसपास के गांवों से आए किसान मौजूद रहे। संचालन रेडियो मधुबन की बीके कृष्णा बहन ने किया।

500 रक्तवीरों का किया सम्मान

विश्व रक्तदान दिवस पर रक्तवीरों का किया सम्मान

शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मनमोहिनीवन परिसर स्थित ग्लोबल ऑडिटोरियम में विश्व रक्तदाता दिवस पर आबूरोड के 500 से अधिक रक्तवीरों का सम्मान किया गया। यह कार्यक्रम रोटरी इंटरनेशनल ग्लोबल हॉस्पिटल ब्लड बैंक माउंट आबू और ट्रामा सेंटर ब्लड बैंक आबूरोड द्वारा आयोजित किया गया। इसमें रक्तवीरों को मोमेंटो और सौगात देकर सम्मानित किया गया।

शुभारंभ पर अतिरिक्त महासचिव बीके करुणा भाई ने कहा कि रक्तदान-जीवनदान है। संस्थान का प्रयास रहता है कि आबूरोड-माउंट आबू क्षेत्र में रक्त की कमी नहीं हो पाए, इसलिए समय प्रति समय रक्तदान शिविर आयोजित किए जाते हैं। अतिरिक्त महासचिव डॉ. बीके मृत्युंजय भाई ने कहा कि रक्तदान करना बहुत बड़ा पुण्य का कार्य है। आपका रक्त किसी के जीवन में खुशहाली लाता है। किसी को जीवनदान देता है। मेडिकल विंग के सचिव डॉ. बनारसी लाल ने कहा कि मेडिकल विंग नशामुक्त भारत अभियान को पूरे देश में जोर-शोर से चला रहा है, जिसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। आप सभी भी सदा नशे से दूर रहें और स्वस्थ जीवन जीएं।

ग्लोबल हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. प्रताप मिड्ढा ने बताया कि 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक ग्लोबल हॉस्पिटल द्वारा रक्तदान शिविर और अस्पताल में रक्तदाताओं द्वारा किए गए डोनेशन से 7128 यूनिट ब्लड एकत्रित किया गया। इसमें 3540 यूनिट ब्लड अस्पताल से 3588 यूनिट ब्लड डोनेशन कैंप के माध्यम से एकत्रित किया गया। अस्पताल द्वारा सालभर में 34 रक्तदान शिविर लगाए गए हैं।

पैथोलॉजिस्ट डॉ. ज्योति मिश्रा, डॉ. अनिल भंसाली ने भी संबोधित किया। संचालन बीके विशाल भाई ने किया। आभार ट्रामा सेंटर ब्लड बैंक के प्रभागी बीके धर्मेंद्र ने माना। बालिकाओं ने स्वागत में सुंदर नृत्य की प्रस्तुति दी। स्वागत गीत बीके युगरतन ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रक्तदाता ब्रह्माकुमार भाईयों का भी सम्मान किया गया।

आत्मिक स्थिति में रहेंगे तो लाइफ इजी रहेगी: विधायक रोहाणी

शिव आमंत्रम, रायपुर, छग। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय शांति सरोवर रिट्रीट सेंटर रायपुर में रूहानी सिंधी सम्मेलन का आयोजन किया गया। स्वस्थ और प्रगतिशील समाज के निर्माण में सिंधी समुदाय की भूमिका विषय पर सिंधी समाज के संतों के अलावा अनेक वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखें। उल्हासनगर मुंबई की निर्देशिका ब्रह्माकुमारी पुष्पा दीदी ने कहा कि सिंधी समाज में देश के विभाजन के बाद स्वयं को पुनर्स्थापित किया है। सिंधी समाज की मुख्य चार विशेषताए हैं- व्यापार, श्रम, सेवा भाव और दान पुण्य। समाज में धन की वृद्धि हुई, वैभव में वृद्धि हुई किंतु आंतरिक शक्ति कमजोर हुई आंतरिक शक्ति को बढ़ाने के लिए आध्यात्मिकता को बढ़ाना होगा। आध्यात्मिकता अर्थात स्वयं के यथार्थ स्वरूप की पहचान जब हम इस स्वरूप में स्थित होते हैं तो सुप्रीम के साथ संबंध जुड़ता है और हमारी आंतरिक शक्ति में वृद्धि होती है जिससे जीवन सुख-शांति संपन्न बन जाता है यही इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय में ईश्वर हम सभी को सिखाते हैं। जबलपुर विधायक अशोक रोहाणी ने कहा कि माउंट आबू व ब्रह्माकुमारीज के भिन्न-भिन्न स्थानों पर नेता व अभिनेता आते हैं तो बोलते हैं आपके यहां दादियों व दीदियों का चेहरा चमकता रहता है। यहां जो आध्यात्मिकता सिखाई जाती है उससे चेहरे में रूहानियत बढ़ती जाती है। मैं सभी से आग्रह करता हूं एक बार माउंट अवश्य जाएं परमात्मा अनुभूति अवश्य करें। जोन इंचार्ज हेमा दीदी, बीके आशा दीदी, संचालिका बीके सविता दीदी, शदाणी दरबार रायपुर के प्रमुख संत युधिष्ठिर लाल, परमानंद परमहंस सहित सिंधी समाज के अतिथियों ने अपने विचार रखें।

महेसाना के गॉडली पैलेस में दो दिवसीय राजयोगा थॉट लैब ट्रेनिंग आयोजित

शिव आमंत्रण, महेसाना, गुजरात। ब्रह्माकुमारीज के गॉडली पैलेस में दो दिवसीय राजयोगा थॉट लेब ट्रेनिंग आयोजित की गई। इसमें महेसाना सब जोन की 75 ब्रह्माकुमारी बहनों ने भाग लिया। उद्घाटन पर सांकलचंद पटेल यूनिवर्सिटी के चेयरमैन प्रकाश भाई पटेल ने वर्तमान समय यूनिवर्सिटी के छात्रों के स्ट्रेस को दूर करने के लिए ब्रह्माकुमारीज के थॉट लेब को अपने यूनिवर्सिटी कैम्पस में प्रारंभ करने के लिए आमंत्रित किया। आपने कहा यह समय की मांग भी है।

महेसाना के गॉडली पैलेस में आयोजित इस ट्रेनिंग में पधारे अतिथि योगेश भाई पटेल, चेयरमैन, आरजे इंटरनेशनल स्कूल ने कहा यह मूल्य और आध्यात्मिक शिक्षा सभी शिक्षा संस्थानों में होनी चाहिए। वर्तमान समय सभी छात्र तनावयुक्त हैं इसलिए उनको मानसिक स्वस्थ बनाने के लिए यह जरूरी है। राजयोगिनी बीके सरला दीदी ने कहा शिक्षा प्रभाग की ओर से अविरत कई प्रोजेक्ट पर कार्य हो रहा है। आज थॉट लैब की ट्रेनिंग महेसाना में आयोजित की गई है। यहां प्रकाश भाई ने अपनी यूनिवर्सिटी में थॉट लैब खोलने का प्रस्ताव रखा है। यह ट्रेनिंग सफल हुई। राजयोगा थॉट लेब की कोऑर्डिनेटर बीके सुप्रिया बहन ने ट्रेनिंग का लक्ष्य और उद्देश्य बताया। बीके कुसुम बहन ने स्वागत किया। एज्युकेशन विंग की कार्यकारी सदस्य एवं अहमदाबाद विवेकानंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स की प्राचार्य बीके ममता बहन ने संचालन किया।

साइलेंस रिट्रीट सेंटर में राज्यस्तरीय मीडिया सेमिनार आयोजित

मीडिया समाज में एकता और सद्भाव को बढ़ाए

शिव आमंत्रण, हैदराबाद। ब्रह्माकुमारीज के साइलेंस रिट्रीट सेंटर में राज्यस्तरीय मीडिया सेमिनार आयोजित किया गया। इसमें तेलंगाना मीडिया अकादमी के अध्यक्ष के. श्रीनिवास रेड्डी ने मीडिया से समाज में शांति स्थापित करने की जिम्मेदारी लेने का आह्वान किया है। उन्होंने सुझाव दिया कि मीडिया संगठनों और पत्रकारों को जाति और धर्म के नाम पर बंट रहे समाज को एकता और सद्भाव की ओर ले जाने के लिए खुद को समर्पित करना चाहिए। ब्रह्माकुमारीज द्वारा शांति स्थापना के लिए विश्वभर में किए जा रहे समर्पित कार्य अत्यंत सराहनीय हैं। वे बिना किसी जाति या धर्म के भेदभाव के समाज के सभी वर्गों को सेवाएं प्रदान करते हैं। ब्रह्माकुमारीज मीडिया के साथ-साथ कई अन्य क्षेत्रों में भी आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक माहौल बढ़ाने के लिए अच्छा काम कर रही हैं।

मीडिया विंग की राष्ट्रीय संयोजिका बीके सरला बहन ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज राजयोग प्रशिक्षण के माध्यम से समाज के सभी वर्गों में शांति फैलाने का काम कर रही है। प्रेस काउंसिल के पूर्व सदस्य उप्पला लक्ष्मण ने कहा कि यदि समाचारों का प्रकाशन इस प्रकार किया जाए कि जाति-धर्म के बीच टकराव का माहौल न बने, तो समाज में एकता और शांति बनी रहेगी। माउंट आबू मीडिया के राष्ट्रीय समन्वयक शांतनु ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज एकमात्र आध्यात्मिक संस्था है जो महिलाओं के माध्यम से आध्यात्मिक क्षेत्र में विश्वभर में शांति और एकता के लिए काम कर रही है। हैदराबाद प्रेस क्लब के अध्यक्ष एल वेणुगोपाल नायडू, केबीटी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, इंदौर के पूर्व कुलपति मानसिंह परमार, श्रीमत एक्सप्रेस, देहरादून, उत्तराखंड के प्रधान संपादक डॉ. दीनदयाल मित्तल, जन मंत्र डॉट कॉम के प्रधान संपादक विशाल यादव, भारत एक्सप्रेस चैनल की संपादक प्रियंका कौशल, पूर्व कुलपति आचार्य विद्यावती, मीडिया विंग की समन्वयक बीके मंजू, बीके योगिनी तथा अन्य लोगों ने भाग लिया।

आध्यात्मिक क्षमताओं से होती है ज्ञान-विज्ञान की खोज

शिव आमंत्रण, अटलादरा, गुजरात।

ब्रह्माकुमारीज द्वारा नेशनल टेक्नोलॉजी डे पर आई टू टीआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस टू टिरु इंटेलीजेंस) विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में दिल्ली-नोएडा से आए बीके प्रमोद कुमार ने युवाओं को आंतरिक क्षमताओं को बढ़ाने और तकनीकी उपकरणों के उपयोग के बीच संतुलन बनाए रखते हुए तकनीकी युग में आगे बढ़ने के लिए प्रतिभा के विकास पर सटीक तथ्यों के माध्यम से बहुमूल्य टिप्स और स्पष्ट सिद्धांत दिए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि ज्ञान और विज्ञान की खोज हमारी आध्यात्मिक क्षमताओं के माध्यम से होती है, विज्ञान के माध्यम से नहीं। यही कारण है कि हमें अपनी आंतरिक क्षमताओं को प्राथमिकता देनी चाहिए और हमेशा उनके पूर्ण विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। वडोदरा से सांसद डॉ. हेमांग जोशी ने कहा कि मैंने भी राजयोग किया है और आज राजयोग के अभ्यास के कारण मेरा मन किसी भी परिस्थिति या व्यक्ति के सामने हमेशा शांत और स्थिर रहता है।

सेवाकेंद्र संचालिका बीके डॉ. अरुणा बहन ने सभी अतिथियों का तिलक, पुष्पगुच्छ और दुपट्टा पहनाकर स्वागत करते हुए कहा कि ईश्वर ने जो भी उनके लिए तय किया है, वह उन्हें अवश्य मिलेगा। ईश्वरीय टेक्नोलॉजी ने ऐसे मानव का निर्माण किया जो स्वर्णिम युग में रहते थे, जहां कोई दर्द नहीं था, लेकिन आज टेक्नोलॉजी हमें सुख भी देती है और दुख भी देती है, तो आज हम खुद को ऐसी टेक्नोलॉजी के मालिक बनाएं जो हमें सुख ही सुख दे और ये सिर्फ राजयोग के अभ्यास से प्राप्त किया जा सकता है।

सिग्मा यूनिवर्सिटी के डीन डॉ. जगदीश परमार, पारुल विवि के सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. एमएन परमार, वड़ोदरा कॉर्पोरेटर संगीता चौकसी, कड़जी केयर के संस्थापक डॉ. निकुंज चावड़ा, सेना अधिकारी कर्नल कमल प्रीत, सीनियर डिवीजन फाइनेंस मैनेजर रेवले नूपुर चौधरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन सेवाकेंद्र संचालिका बीके पूनम बहन एवं प्रोफेसर डॉ. पूजा दीक्षित ने किया।

सकारात्मक सोच से बदल सकते हैं जीवन

शिव आमंत्रण, मंडीदीप, मप्र। शीतल मेगा सिटी के पीस पार्क में ब्रह्माकुमारीज की वर्ष 2025 की थीम विश्व एकता और विश्वास के लिए ध्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें गुलमोहर कालोनी सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके डॉ. रीना दीदी ने कहा कि जीवन में शांति के लिए मेडिटेशन आवश्यक है। मेडिटेशन से आत्मा को शक्ति मिलती है। इससे हर समस्या का समाधान संभव है। वैश्विक शांति के लिए मेडिटेशन जरूरी है। उन्होंने सकारात्मक तरंगों और शुभ संकल्पों के माध्यम से ध्यान योग का अभ्यास कराया। अपना नजरिया बदलें। सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएं। जैसी दृष्टि होगी, वैसी सृष्टि बनेगी। हमें यह सोचना चाहिए कि हमारे परिवार, समाज और देश में सभी लोग अच्छे हैं। जीवन का समय सीमित है। इसलिए प्रतिदिन कुछ समय परमात्मा के साथ बिताएं। परमात्मा एक पावर हाउस की तरह हैं जो हमें शक्ति प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यदि हमें स्वयं पर विश्वास है और अपने परिवार और समाज में आपसी विश्वास के साथ आगे बढ़ते हैं तो निश्चित तौर पर विश्व में एकता आएगी और उसके लिए हमें अपने दैनिक दिनचर्या में राजयोग मेडिटेशन को अपनाना होगा। मंडीदीप सेवाकेंद्र प्रभारी बीके मंजू दीदी ने स्वागत किया।

नशामुक्त भारत अभियान का शुभारंभ

राजयोग के प्रयोग से हम समाज को नशामुक्त कर सकते हैं : राज्यपाल

शिव आमंत्रण, गुवाहाटी, असम। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा असम में चलाए जा रहे नशामुक्त भारत अभियान का राज्यस्तरीय शुभारंभ राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने रूपनगर सेवाकेंद्र पर आयोजित समारोह में किया। राज्यपाल आचार्य ने कहा कि सरकार नशे के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति अपनाए हुए है। नशा एक गंभीर सामाजिक संकट है। हर आठ सेकंड में एक व्यक्ति, एक दिन में 3750 और एक वर्ष में करीब 13.50 लाख केवल तंबाकू के नशे के कारण भारत में मृत्यु का ग्रास बनते हैं। राज्यपाल ने कहा कि असम में 62.9% पुरुष और 32.5% महिलाएं या तो स्मोकिंग करती हैं या गुटखा का सेवन करती हैं। 14 से 18 वर्ष की आयु के 5500 बच्चे प्रतिदिन नशा लेने वालों की भीड़ में शामिल हो जाते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि ब्रह्माकुमारी ने हर सामाजिक कार्य में बढ़-चढ़कर योगदान दिया है। स्वच्छता अभियान हो, चाहे पर्यावरण संरक्षण हो, चाहे बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ, चाहे नशा मुक्ति हो, हर अभियान को एक जन आंदोलन बनाने में ब्रह्माकुमारीज़ ने अपना सहयोग दिया है। मुझे पूरा विश्वास है कि राजयोग जो आंतरिक बल प्रदान करता है, उसके प्रयोग द्वारा हम समाज को नशा मुक्त कर सकते हैं। विश्व एक परिवार है और इस सुंदर परिवार बनाने के लिए इसके मार्ग में आने वाली सभी बाधाओं को दूर करने के लिए प्रयास करेंगे और अपने भारत को नशा मुक्त भारत बनाएंगे । नशा मुक्ति के अभियान को एक जन आंदोलन का रूप देकर इसकी सफलता की मैं कामना करता हूं।

विजय कुमार गुप्ता ने सभी का स्वागत किया और अभियान की जानकारी दी। कुमारी प्रियंका ने सुंदर स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया।

शिव आमंत्रण, रांची, झारखंड। ब्रह्माकुमारीज़ के चौधरी बगान हरमू रोड सेवाकेंद्र पर वर्ल्ड थायरॉइड डे मनाया गया। फिजियोलॉजी विभाग पीओएमसी दुमका एवं ब्रह्माकुमारीज़ के संयुक्त तत्वावधान में हाइपोथायरायडिज्म में योग और ध्यान की भूमिका पर विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में दन्त चिकित्सक डॉ मोहित, फिजियोलॉजी विभाग रिम्स के डॉ. विकाश, फिजियोलॉजी विभाग एनएमएससीएच जमशेदपुर के सहायक प्राध्यापक डॉ. सुमित कुमार, फिजियोलॉजी विभाग पीजेएमसी दुमका के डॉ. पीयूष रंजन, फिजियोलॉजी विभाग रिम्स रांची के सहप्राध्यापक डॉ. राजेंद्र कुमार, हरमू हॉस्पिटल के सीईओ डॉ. सुहाष तेतरवे, सेवाकेंद्र संचालिका बीके निर्मला दीदी ने अपने विचार व्यक्त किए।

योग महोत्सव 2025

सीएम ने उत्तरा दीदी और अनीता दीदी का किया सम्मान

शिव आमंत्रण, पंचकूला, हरियाणा। पंचकूला स्थित इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। राज्य सरकार एवं योग आयोग द्वारा सूर्य नमस्कार-2025 के विजेताओं के सम्मान समारोह के रूप में आयोजित किया गया था।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी ने पंजाब ज़ोन की निदेशिका राजयोगिनी बीके उत्तरा दीदी, पंचकूला की निदेशिका राजयोगिनी अनीता दीदी को उनकी निःस्वार्थ सेवा, समर्पण एवं मानवता के आध्यात्मिक उत्थान के प्रति आजीवन प्रतिबद्धता के लिए सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने सूर्य नमस्कार-2025 अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 264 प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि हरियाणा योग आयोग का गठन प्रदेश में योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है। हरियाणा देश का एकमात्र राज्य है जहां योग को शैक्षणिक पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने योग महोत्सव 2025 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों का एक महत्वपूर्ण चरण बताया। इस अवसर पर अन्य अधिकारियों एवं योग आयोग के प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार सांझा किए।

सीएम योगी से की मुलाकात

लखनऊ, उप्र। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त महासचिव राजयोगी डॉ. बीके मृत्युंजय भाई, प्रभारी बीके राधा दीदी के नेतृत्व में ब्रह्माकुमारीज़ के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस दौरान सीएम योगी को मुख्यालय शांतिवन में 9 से 13 अक्टूबर 2025 तक आयोजित होने वाली ग्लोबल समिट में शामिल होने के लिए आमंत्रण भी दिया। साथ ही संस्थान द्वारा की जा रही सामाजिक सेवाओं के बारे में बताया। प्रतिनिधिमंडल ने उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की और ग्लोबल समिट का आमंत्रण दिया। इस अवसर पर चंडीगढ़ के उद्योगपति राधेश्याम भाई, गिरीश भाई, उद्योगपति रविन्द्र अग्रवाल, बीके मंजू बहन,बीके सुमन बहन भी उपस्थित रहीं।

त्रिपुरा सीएम से स्नेह भेंट

अगरतला, त्रिपुरा। मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा और और राज्यपाल एन. इन्द्रसेना रेड्डी नल्लू से ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर संस्थान द्वारा की जा रहीं सेवाओं के बारे में बताया। इस दौरान गुवाहाटी सबजोन की निदेशिका बीके सोनाली बहन, मेडिकल विंग के सचिव बीके डॉ. बनारसीलाल साह, असम फाइनेंशियल कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष बीके विजय गुप्ता, बीके डॉ. ज्योतिश्वर सेन, बीके ममता बहन, मणिका बहन मुख्य रुप से मौजूद रहीं।

त्रिपुरा राज्यपाल से मिले बीके सदस्य

डॉ. बीके लाजवंती दीदी सम्मानित

शिव आमंत्रण, ठाणे, महाराष्ट्र। फास्ट ग्रुप द्वारा सुनहरी सिंधियत महोत्सव 2.0 में ब्रह्माकुमारीज़ की भांडुप पश्चिम सेवाकेंद्र प्रभारी राजयोगिनी डॉ. बीके लाजवंती दीदी को अचीवर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। पिछले पांच दशकों से भी अधिक समय से आप ईश्वरीय सेवाओं में सतत समर्पित रही हैं और ब्रह्माकुमारीज़ संस्था की एक दिव्य प्रकाश स्तंभ के रूप में जगमगा रही हैं। वर्तमान में आप भांडुप सेवा केंद्र की प्रभारी के रूप में कार्यरत हैं, जहाँ मधुबन गार्डन को आपने एक आंतरिक शांति और आत्मिक आनंद के उद्यान में रूपांतरित कर दिया है। बहुत ही कम उम्र में ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़ने वाली दीदी ने व्यावहारिक आध्यात्मिकता में अद्भुत निपुणता प्राप्त की है। आप एक प्रभावशाली वक्ता, कुशल प्रशासक, तथा नम्रता और करुणा की प्रतिमूर्ति हैं। आपकी मौन शक्ति और दिव्यता ने हज़ारों लोगों के दिलों को गहराई से छुआ है। भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी आपने सार्वजनिक कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, सम्मेलनों तथा आध्यात्मिक प्रदर्शनियों के माध्यम से शांति, पवित्रता और उद्देश्यपूर्ण जीवन की प्रेरणा दी है।

संपादकीय

पर्यावरणीय संतुलन के लिए आध्यात्मिक जागृति जरूरी है

आज समूचा विश्व जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई, वायु प्रदूषण और जल संकट जैसी गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों से जूझ रहा है। इन समस्याओं का मूल कारण केवल भौतिक विकास की अंधी दौड़ नहीं, बल्कि मनुष्य की मानसिकता और जीवनशैली में आई विकृति है। जब तक आंतरिक चेतना का परिवर्तन नहीं होगा, तब तक बाह्य पर्यावरण की रक्षा संभव नहीं है। "जैसी दृष्टि, वैसी सृष्टि।" जब मानव के विचार शुद्ध होंगे, तब ही वह प्रकृति के साथ संतुलन में जी सकेगा। इसीलिए संस्थान पर्यावरण संरक्षण को केवल भौतिक कार्य नहीं, बल्कि आध्यात्मिक साधना मानता है। राजयोग ध्यान के माध्यम से मन को शांति और सकारात्मकता प्रदान करके व्यक्ति अपने भीतर स्वच्छता और पवित्रता लाता है, जो उसकी जीवनशैली में भी परिलक्षित होती है। जैसे सादा जीवन, संयमित उपभोग और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शांतिवन परिसर में ही इस सिद्धांत को साकार किया गया है। यहां सौर ऊर्जा, वेस्ट मैनेजमेंट, बायोगैस संयंत्र, जल संरक्षण और जैविक खेती जैसी पर्यावरण-संवेदनशील प्रणालियां वर्षों से लागू हैं। स्वच्छ भारत, हरित भारत के संकल्प को संस्थान ने स्वच्छ मन, स्वच्छ तन और स्वच्छ पर्यावरण के व्यापक दृष्टिकोण से अपनाया है। पर्यावरणीय संतुलन के लिए आध्यात्मिक जागृति परम आवश्यक है। जब हम स्वयं को आत्मा शांति, प्रेम और शुद्धता के स्वरूप के रूप में जान लेते हैं, तब हमारा व्यवहार भी सहज रूप से प्रकृति के अनुरूप हो जाता है। क्रोध, लोभ और भोगवाद की प्रवृत्तियाँ समाप्त होने लगती हैं, जो पर्यावरण विनाश के मूल कारण हैं।

बोध कथा/जीवन की सीख

आपका विचार ही आपका संसार है

विमला चार दिन से बीमार थी। न उसे भूख रही, न प्यास। नींद भी न रही। अच्छी भली थी, सेहत भी ठीक थी, चार दिन में ही सूख गई। रंग भी काला पड़ गया था। कितने वैद्य आए, पर उसकी बीमारी का कारण नहीं ढूंढ पाए। माता पिता भी चिंता में मरे जा रहे थे। बात यह थी कि अगले ही महीने विमला का विवाह होने वाला था। नदी पार के गांव के ही एक लड़के से विवाह तय हुआ था। भय यह था कि यदि ससुराल पक्ष में इसकी बीमारी की सूचना पहुंच गई, तो कहीं वे विवाह से ही इंकार न कर दें। आज सुबह गुरुजी आए। माता-पिता चरणों में पड़ गए और रोने लगे।

गुरुजी ने सांत्वना दी। कहा– चिंता मत करो! सब ठीक हो जाएगा। मुझे यह बताओ कि जिस दिन ये बीमार हुई, उस दिन हुआ क्या था?
माता ने बताया– उस दिन शाम को यह अपनी सहेली सरला के साथ छत पर खेल रही थी। जब नीचे आई तो चेहरा उतरा हुआ था। बस तभी से बीमार है।
गुरुजी ने सरला को बुलाकर पूछा कि छत पर कुछ हुआ था क्या? सरला बोली– हां गुरुजी! जब हम खेल रहे थे, तब सामने नदी के उस पार बहुत से ऊंटों का काफिला जा रहा था। उन सब पर बहुत सी रूई लदी थी। इसने पूछा कि ये इतनी रूई कहां जा रही है? मैंने मजाक में कह दिया कि तेरी ससुराल। इसने पूछा कि वे इतनी रूई का क्या करेंगे? तो मैंने कह दिया कि तुझसे धागा कतवाएंगे। बस यही बात है। ओह! तो यह बात है। कहते हुए, गुरुजी ने सरला के कान में कुछ कहा और चले गए।
अगले दिन सरला विमला के पास आकर बैठ गई।
उधर गुरुजी ने नदी पार बहुत से पत्तों के ढेर में आग लगवा दी। जब आकाश में धुआं ही धुआं हो गया, तब सरला बोली– विमला! विमला! देख! तेरे ससुर के रूई के गोदाम में आग लग गई। सारी रूई जल कर राख हो गई। विमला ने खिड़की से बाहर झांका और वो धुआं देखा, तो उसने लंबी सांस ली और ठीक हो गई। एक विचार से रोग हो गया, एक विचार उपचार बन गया, यही विचार का बल है। कील पर लटका कोट भूत बन जाता है, रस्सी सांप बन जाती है, स्वप्न का शेर बिस्तर गीला कर देता है।

संदेश: आपका विचार ही आपका संसार है। विचार बदलते ही मन बदल जाता है, जीवन बदल जाता है। विचार बदलते ही सब बदल जाता है। इसलिए जीवन में कुछ भी हो जाए, सबकुछ चला जाए लेकिन हमारे विचार, हमारा आत्मबल कभी कम नहीं होना चाहिए। जिसका जितना आत्मबल होता है वह व्यक्ति इस संसार में उतना ही नाम कमाता है, महान बन जाता है, योगी बन जाता है या फिर असाधारण कार्य कर जाता है।

मेरी कलम से

कुलदीप गिरी गोस्वामी,
माध्यमिक शिक्षक विज्ञान,
संदीपनी शा.हा.से. स्कूल,
गोविंदपुरा, भेल, भोपाल, मप्र

राजयोग से जीवन में बढ़ी एकाग्रता

वर्ष 2012 में मध्य प्रदेश के जिला टीकमगढ़ के गणेशपुरम स्थित ब्रह्माकुमारीज़ के सेवाकेंद्र पर मैंने वा मेरी युगल (धर्मपत्नी) ने एक साथ सात दिवसीय राजयोग कोर्स बीके माया दीदी के सान्निध्य में किया। कोर्स करने के पश्चात मैंने निरंतर राजयोग का अभ्यास घर पर ही आरंभ किया। अभ्यास के दौरान मैंने पाया कि मेरे अंदर बहुत से सकारात्मक परिवर्तन हो रहे- जैसे एकाग्रता का बढ़ना, शिक्षण कार्य के दौरान कार्य क्षमता में विकास होना, मानसिक शांति का अनुभव होना। इसके पश्चात वर्ष 2013 में शासकीय सेवा में मेरी नियुक्ति सागर जिले में हुई वहां पर भी मेरा निवास ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र के पास ही था। सेवा केंद्र के पास होने के कारण मैंने नियमित रूप से जाना आरंभ किया। निरंतर ज्ञान मुरली सुनना एवं राजयोग का अभ्यास निरंतर बनाए रखा। मेरी युगल भी निरंतर मेरे साथ राजयोग का अभ्यास करती हैं। राजयोग के अभ्यास से हमारे परिवार में एक अलौकिक वातावरण का निर्माण हुआ।
मेरी एक बच्ची है। उसमें भी सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिला एवं उसने पढ़ाई में भी अच्छा रिजल्ट प्राप्त किया। सीबीएसई दसवीं में 96.6% अंक अर्जित किए हैं। अभी वर्तमान में मैं भोपाल के संदीपनी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोविंदपुरा में माध्यमिक शिक्षक विज्ञान की पद पर कार्यरत हूं।
राजयोग के निरंतर अभ्यास से मैंने अनुभव किया कि परमात्मा शिव बाबा को पिता रूप में याद करने से हमारे अंदर आध्यात्मिक ऊर्जा का विकास होता है एवं इसका प्रभाव हमारे परिवार के अन्य सदस्यों पर भी पड़ता है एवं सभी कार्यों में सभी साथियों का निरंतर सहयोग प्राप्त होता है। अतः आज के तनाव पूर्ण वातावरण में राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास अत्यंत आवश्यक है क्योंकि आज के वातावरण में नकारात्मकता निरंतर बढ़ती जा रही है। अगर हम अपनी आंतरिक शक्ति को मेडिटेशन के अभ्यास से नहीं बढ़ाएंगे तो हमें कई प्रकार की मानसिक बीमारियों का सामना करना पड़ेगा।

राजयोग से जीवन बन जाता है आनंदमय

राजयोग का अभ्यास करने से आपके साथ कार्य करने वाले व्यक्तियों पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। सभी परमात्मा शिव बाबा की ओर आकर्षित होते हैं। अतः सभी पाठकों से मेरा निवेदन है आप भी सात दिवसीय राजयोग मेडिटेशन कोर्स अवश्य करें। मैं अपने जीवन के अनुभव से यह कह सकता हूं कि जीवन में राजयोग को शामिल करने से हमारा जीवन खुशनुमा और आनंदमय बन जाता है। मन की सारी व्याधियां दूर हो जाती हैं। मन सदा शांत और आनंदित रहता है। जीवन में आने वाली परिस्थितियां खेल के समान प्रतीत होती हैं। हमारा जीवन को देखने का नजरिया सकारात्मक हो जाता है। आज के इस तनावभरे युग में राजयोग ध्यान आनंद की वह किरण, स्रोत और ऊर्जा केंद्र है जो मन को शांत करने और शक्ति देने के लिए सबसे जरूरी है। इससे विद्यार्थियों को पढ़ाई करने में आसानी होती है। याददाश्त बढ़ जाती है। कम समय में ज्यादा पढ़ाई कर पाते हैं। एकाग्रता बढ़ने से पढ़ा हुआ याद रहता है।

आत्म साक्षात्कार के उच्चतम आयाम से आत्महित पुरुषार्थ

जीवन का मनोविज्ञान

भाग - 84

- डॉ. अजय शुक्ला, बिहेवियर साइंटिस्ट
गोल्ड मेडलिस्ट इंटरनेशतनल, ह्यूमन राइट्स मिलेनियम अवार्ड डायरेक्टर
(स्प्रीचुअल रिसर्च स्टडी एंड एजुकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, बंजारी, देवास, मप्र)

आबूरोड। स्वयं की सात्विक मनःस्थिति से स्वयं का ही मार्गदर्शन और स्वयं को ही दिया जाने वाला परामर्श स्वयं की गति , मति एवं सद्गति के प्रति जागृत और चातृक भाव से गतिशीलता बनाये रखते हुए ज्ञानेन्द्रियों एवं कर्मेन्द्रियों द्वारा नियन्त्रण की स्थिति को निर्मित और निर्धारित करते रहते हैं ।
आध्यात्मिक जीवन का अनवरत स्वरूप में अवबोध हो जाना ही जीवात्मा के आत्महित पुरुषार्थ द्वारा वास्तविक स्वरूप को प्रतिबिंबित करता रहता है जिससे निज आत्मा का कल्याण उच्चता के संदर्भित प्रसंग में व्यवहारिकता के सानिध्य से पूर्णतया सुनिश्चित हो जाता है । नैसर्गिक चैतन्यता मे आत्मा के स्वमान , स्वरूप एवं स्वभाव का व्यावहारिक दृष्टिकोण क्रियान्वित स्थितियों में परिलक्षित होता है जिसमें आत्महित के लिए किया जाने वाला सूक्ष्म पुरुषार्थ चेतना की सम्पूर्ण सद्गति का महत्वपूर्ण आधार स्तम्भ बन जाता है । ' जहाँ सुमति तहां - सम्पति नाना...' रामचरित मानस की आत्मगत स्वभाव से सम्बद्ध यह अति विशिष्ट चौपाई , मानव जीवन की – सम्पूर्णता का सम्पन्न स्वरूप में जीवंतता का प्रामाणिक प्रबोधन है जिसमें आत्मानुभूति के पवित्रतम - प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष उदाहरण सन्निहित हैं , जो जीवात्मा को आध्यात्मिक उच्चता प्रदान करने में मददगार सिद्ध होते हैं ।

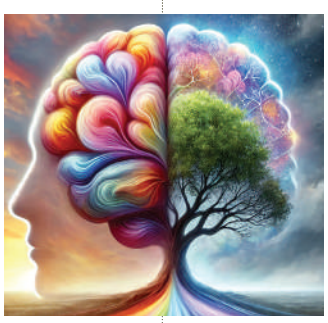

सात्विक मनःस्थिति में मार्गदर्शन परामर्श

मनुष्य जीवन की बोधगम्यता में समाविष्ठ चेतना की अति महत्वपूर्ण धरोहर - ' आत्मा स्वयं की ही सबसे बड़ी मित्र होती है ' जो आत्महित के पुरुषार्थ को आत्मसात करके आत्मगत सद्गति के विराट स्वरूप में स्वमेव परिणित हो जाती है । आत्म तत्व की अति सूक्ष्म अनुभूतियाँ जीवन को सम्पूर्ण रूप से काया कल्प करने में सक्षम होती हैं क्योंकि आत्मिक स्वभाव का नैसर्गिक पक्ष सदा आत्महित के लिए – मन , बुद्धि एवं संस्कार द्वारा समर्पित होकर आत्म चिंतन से धारणात्मक स्वरूप की पक्षधरता हेतु कार्यरत रहते हैं । स्वयं की सात्विक मनःस्थिति से स्वयं का ही मार्गदर्शन और स्वयं को ही दिया जाने वाला परामर्श स्वयं की गति , मति एवं सद्गति के प्रति जागृत और चातृक भाव से गतिशीलता बनाये रखते हुए ज्ञानेन्द्रियों एवं कर्मेन्द्रियों द्वारा नियन्त्रण की स्थिति को निर्मित और निर्धारित करते रहते हैं ।

आत्महित पुरुषार्थ द्वारा वास्तविक स्वरूप-

आत्महित को साधने की प्रक्रिया के अन्तर्गत किया जाने वाला , पुरुषार्थ आत्मानुभूति के स्थायित्व हेतु कार्यरत रहता है जिसमें आत्म तत्व की विवेचना से भाव एवं विचार जगत के मध्य संतुलन बनाये रखते हुए आत्मिक - गुणों और शक्तियों के शुद्ध उपयोग पर मूलभूत रूप से ध्यान रखा जाता है । जीवन की गतिशील प्रक्रिया के अन्तर्गत आत्मगत स्वभाव में सात्विक सुमति द्वारा नियम -संयम का अनुपालन करने के साथ - साथ आत्महित के लिए किया जाने वाला सूक्ष्म पुरुषार्थ ही सद्गति स्वरूप में आत्मा को जीवन के – ' भव सागर ' से पार लगाते हुए उसको तारने में भी मददगार सिद्ध होता है । आध्यात्मिक जीवन का अनवरत स्वरूप में अवबोध हो जाना ही जीवात्मा के आत्महित पुरुषार्थ द्वारा वास्तविक स्वरूप को प्रतिबिंबित करता रहता है जिससे निज आत्मा का कल्याण उच्चता के संदर्भित प्रसंग में व्यवहारिकता के सानिध्य से पूर्णतया सुनिश्चित हो जाता है।

नैसर्गिक चैतन्यता में आत्मागत स्वमान

जीवन में भक्ति , ज्ञान एवं मौक्ष के श्रेष्ठतम सामन्जस्य को आत्मसात करके तीव्र भगीरथ पुरुषार्थ का प्रतिफल - जीवात्मा को आत्म साक्षात्कार के उच्चतम आयाम का सम्पूर्ण दिग्दर्शन कराता है जिसमें आत्मानुभूति का विराट परिदृश्य और आत्मा के दिव्य गुणों तथा शक्तियों का विशाल परिवेश समाहित रहता है । परमात्म स्मृति से समर्थ होते आत्मगत स्वभाव की परिणिति पवित्रता से ओत - प्रोत होती है जिसके अन्तर्गत आत्मिक अस्तित्व की बोधगम्यता सात्विक सुमति की दिशा में उन्मुक्त स्वरूप को धारण करके सदा नियम - संयम के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध रहती है । नैसर्गिक चैतन्यता मे आत्मा के स्वमान , स्वरूप एवं स्वभाव का व्यावहारिक दृष्टिकोण क्रियान्वित स्थितियों में परिलक्षित होता है जिसमें आत्महित के लिए किया जाने वाला सूक्ष्म पुरुषार्थ चेतना की सम्पूर्ण सद्गति का महत्वपूर्ण आधार स्तम्भ बन जाता है ।

"स्वयं से लड़ो बाहर दुश्मन से क्या लड़ना। वह जो स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेता है उसे आनंद की प्राप्ति होती है।"

महावीर स्वामी, जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर

"जैसे बिना आग के मोमबत्ती नहीं जल सकती है, ठीक उसी तरह बिना अध्यात्मिक ज्ञान के इंसान नहीं रह सकता है।"

गौतम बुद्ध, बौद्ध धर्म के संस्थापक

आबू रोड, राजस्थान

आबू रोड, राजस्थान

आबू रोड, राजस्थान

नशामुक्ति का संदेश देने बाइक पर निकले राजयोगी

बुढलाडा में दिया नशे से दूर रहने का संदेश

बुढलाडा, पंजाब। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत दो ध्यान सत्र आयोजित किए गए, जिनमें कुल 109 प्रतिभागियों ने भाग लिया। पहला सत्र अम्बेडकर चौक में 59 बच्चों, युवाओं, पुरुषों और महिलाओं के साथ हुआ जबकि दूसरा सत्र खुले मैदान में 50 प्रतिभागियों के साथ संपन्न हुआ। इन कार्यक्रमों में नशे से उत्पन्न मानसिक, शारीरिक, सामाजिक, आर्थिक और नैतिक विकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाई गई। नशे की जड़ तनाव या किसी प्रकार की बढ़ती हुई विकृति होती है, जिसका प्रभावी इलाज आध्यात्मिक सशक्तिकरण से संभव है। सही मार्गदर्शन से युवा समाज के निर्माण और भारत की गरिमा को ऊँचाइयों पर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

शिव आमंत्रण, आबूरोड। ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय शांतिवन से मेडिकल विंग द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर विशाल मोटर साइकिल यात्रा निकाली गई। इसमें सैकड़ों ब्रह्माकुमार भाई-बहनें नशामुक्त-व्यसनमुक्ति का संदेश लेकर निकले। रास्ते में कई स्थानों पर कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को नशे के प्रति जागरूक किया गया। शांतिवन से रैली को संत सम्मेलन में आए संत-महात्माओं सहित अतिरिक्त महासचिव डॉ. बीके मृत्युंजय भाई, मेडिकल विंग के सचिव डॉ. बनारसी लाल, साइंटिस्ट विंग के अध्यक्ष बीके मोहन सिंघल भाई ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर ब्रह्माकुमारीज की जागरूकता रैली

शिव आमंत्रण, बैतूल, मप्र

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई। शुभारंभ दिव्य दर्शन भवन सेवाकेंद्र से किया गया। इसमें भाई-बहनों ने तंबाकू मुक्त भारत बनाने के नारे लगाकर जन-जन तक संदेश पहुंचाया। इस अवसर पर बहुत सुंदर भारत माता की सजीव झांकी सजाई गई, जिसमें वर्तमान समय के अनुसार भारत माता अनेक प्रकार के नशे की जंजीरों में जकड़ी भी हुई दिखाई गई। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके मंजू दीदी ने बताया कि आज तम्बाकू का सेवन करने से मनुष्य शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक रूप से कमजोर होते जा रहे हैं। इससे कैंसर जैसी अनेक घातक बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में यदि हम अभी भी नहीं जागे तो मानव जीवन खतरे में आ जायेगा। राजयोग मेडिटेशन के द्वारा हम अनेक प्रकार के व्यसनों से अपनी जीवन को मुक्त कर सकते हैं। सारणी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सुनीता दीदी ने कहा कि हम सभी अपने जीवन में दृढ़ संकल्प करके तंबाकू ही नहीं अपितु हर प्रकार की बुराई और व्यसनों से मुक्त जीवन बनाकर श्रेष्ठ संसार का निर्माण कर सकते हैं।

शिव आमंत्रण, कादमा, हरियाणा

नशा व्यक्तिगत, सामाजिक व राष्ट्र की उन्नति में घातक है। तंबाकू मीठा व धीमा जहर है जो दीमक की तरह से धीरे धीरे मानव जीवन को अंदर से खोखला कर देता है। यह उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ के तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय तंबाकू निषेध दिवस पर निकाल गई नशा मुक्ति रैली को हरी झंडी दिखाते हुए चंडीगढ़ से पधारी बीके सुमन बहन व सेवाकेंद्र प्रभारी राजयोगिनी बीके वसुधा बहन ने व्यक्त किए। जिला पार्षद अशोक थालौर, सरपंच प्रतिनिधि महेश फौजी, श्री राधा कृष्ण गौशाला अध्यक्ष सतवीर शर्मा, सुबे स्वामी पंच आदि उपस्थित थे। ब्रह्माकुमारी सुमन बहन चंडीगढ़ ने सभी लोगों को तंबाकू सहित नशीले पदार्थ छोड़ने की दृढ़ संकल्प दिलाते हुए व्यसन मुक्त योग युक्त रह सात्विक जीवन शैली अपनाने के लिए कहा। बीके ज्योति बहन ने युवाओं को समझाते हुए कहा की तंबाकू ,बीडी, सिगरेट व अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से स्वास्थ्य के साथ-साथ शारीरिक,मानसिक व वित्तीय नुकसान भी होता है। युवा वर्ग देश भक्ति का संकल्प लेकर राष्ट्र के नवनिर्माण में अपने महत्वपूर्ण भूमिका अदा करें।

जीवनभर नशामुक्त रहने की शपथ ली

अयोध्या, उप्र। ब्रह्माकुमारीज़ पूरा बाज़ार द्वारा खजुरावन गांव में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत दो कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें कुल 450 लोगों ने भाग लिया। इसमें लोगों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया एवं उन्हें ध्यान, सकारात्मक आदतें तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने हेतु प्रेरित किया गया। सभी प्रतिभागियों ने जीवनभर नशामुक्त रहने की शपथ ली।

विद्यार्थियों से किया नशे से दूर रहने का आह्वान

ढीगावा मंडी, बहल, हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ ढीगावा मंडी शाखा द्वारा विश्व धूम्रपान निषेध दिवस पर राजकीय उच्च विद्यालय नकीपुर में अध्यापक अभिभावक विद्यार्थी स्नेह मिलन में व्याख्यान व प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। बहल की संचालिका बीके शकुंतला ने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने का आह्वान किया। ढीगावा मंडी संचालिका बीके पूनम ने भी संबोधित किया।

नशामुक्ति जागरूकता रैली निकाली

मुजफ्फरपुर, बिहार। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ एवं सदर अस्पताल द्वारा जागरुकता रैली निकाली गई। रैली का नेतृत्व बीके बहन सीता, बीके डॉ. फणिश चंद्र, बीके पुरुषोत्तम, बीके भास्कर, बीके अरविंद, बीके बबीता बहन, बीके पुष्पा बहन तथा डॉ. नवीन (गैर संचारी रोग अधिकारी) एवं डॉ. रवियांश कुमार (जिला प्रभारी, राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम) ने किया।

राजगढ़ (ब्यावरा, मप्र)। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र द्वारा एक पेड़ मां के नाम विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें अतिथियों को एक-एक पेड़ दिया गया। इस दौरान डीएफओ बेनी प्रसाद, कृषि संचालक हरीश मालवीय, रिटायर्ड एसडीओ आरसी शर्मा, ब्रह्माकुमारी मधु दीदी ने पर्यावरण पर अपने विचार व्यक्त किए।

घाटकोपर, मुंबई। ब्रह्माकुमारीज योग भवन द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर पीस पार्क में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी के अभियंता, सबजोन प्रभारी ब्रह्माकुमारी विष्णुप्रिया दीदी, प्रेरक वक्ता बीके निकुंज ने पर्यावरण पर अपने विचार व्यक्त किए।

मजलिस पार्क, दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां अभियान के तहत 150 लोगों ने पौधारोपण किया। इस मौके पर युवा नेता कुमारी गुरुप्रिया और सत्यबीर यादव विशेष रूप से मौजूद रहीं। संचलिका बीके राजकुमारी ने बताया कि स्थूल पर्यावरण शुद्धि का आधार मानसिक पर्यावरण की शुद्धता है।

कालानी नगर, इंदौर। एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पर्यावरण संरक्षण एवं पौधारोपण का कोर फोकस फिजियोथेरेपी एंड रिहैब सेंटर डायरेक्टर डॉ. मयूरी सराफ, हॉस्पिटल डायरेक्टर डॉ. सीमा जैन, पत्रकार सपना साहू, पार्षद शिखा दुबे, प्रभारी बीके जयंती दीदी, बीके सुजाता दीदी ने संदेश दिया।

खापरखेड़ा, कामठी (महाराष्ट्र)। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। संचालिका बीके प्रेमलता दीदी, उत्तर भारतीय जिला अध्यक्ष विश्वजीत सिंह, माजी जिपं सदस्य छायाताई ढोले व अशोक तांदुळकर, पंस समिति उपसभापति राहुल तिवारी मौजूद रहे।

नवसारी, गुजरात। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण किया गया। इस दौरान नवसारी कृषि यूनिवर्सिटी के डॉ. एसडी कबाड़ और राजयोगिनी बीके गीता दीदी ने लोगों से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। पौधारोपण करने और संरक्षण का संकल्प भी कराया।

बैतूल, मप्र। विश्व पर्यावरण दिवस पर ब्रह्माकुमारीज के खंजनपुर स्थित आनंद सरोवर त में एक पेड़ मां के नाम विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विधायक हेमंत खंडेलवाल, संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद, सीएमएचओ डॉ. जगदीश घोरे, डॉ. जयदीप पोपली, बीके मंजू दीदी, बीके सुनीता दीदी ने अपने

नरसिंहपुर, मप्र। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण किया गया। इस दौरान पीजी कॉलेज के पूर्व प्राचार्य आरबी सिंह, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कुसुम दीदी ने अपने विचार व्यक्त किए। मौके पर मौजूद सभी भाई-बहनों ने पौधारोपण कर सुरक्षा का संकल्प लिया।

सारणी, मप्र। विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज के प्रभु उपवन भवन में पौधारोपण किया गया। इस दौरान सारणी सतपुड़ा पॉवर प्लांट के सुपरिटेंडेंट इंजीनियर राम ठाकुर, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सुनीता दीदी सहित अन्य भाई-बहनों ने पौधारोपण कर संरक्षण का संकल्प लिया।

गुलाबगंज, विदिशा (मप्र)। गुलाबगंज ग्रीन पार्क कॉलोनी में पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें वरिष्ठ समाजसेवी रामकुमारी बहन, ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी, ब्रह्माकुमारी रुक्मणी दीदी, बीके नन्दनी बहन, बीके अनु बहन ने पर्यावरण पर अपने विचार व्यक्त किए।

भगवानपुर, वैशाली (बिहार)। विश्व पर्यावरण दिवस पर शांति शक्ति सरोवर रिट्रीट सेंटर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बैंक अधिकारी हर्षवर्धन कुमार, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रमेश सिंह, सीए बीके प्रफुल्ल, बीके सावित्री बहन, बीके सुमन बहन, अरुण कुमार ने पर्यावरण पर अपने विचार व्यक्त किए।

विश्व पर्याव

देशभर में ' के नाम' अ

शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)। ब्रह्माकुमारीज़
में एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया जा रहा है
पौधारोपण किया जा रहा है। वहीं संस्थान के अंतरर
अगस्त 2025 तक सघन पौधारोपण वृक्ष वंदन कार्यक्र
सार्वजनिक सरकारी कार्यालय, प्रमुख सड़कों, स्कूल
किया जाएगा। वृक्ष वंदन कार्यक्रम का शुभारंभ मनमो
जैन, अतिरिक्त महासचिव डॉ. बीके मृत्युंजय भाई,

शाहगढ़, मप्र। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में मेडिकल ऑफिसर डॉ. आयुष्मान असाटी, फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. मुस्कान असाटी एवं डॉ. मुकेश असाटी ने भाग लिया। इस दौरान सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी दीपा बहन ने सभी को पौधे प्रदान करते हुए पर्यावरण बचाने और पौधों की रक्षा

प्रेमनगर, इंदौर (मप्र)। प्रेमनगर सेवाकेंद्र द्वारा एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत कार्यक्रम किया गया। इसमें पर्यावरणविद प्रेम जोशी, समाजसेवी अशोक मेहता, भाकिसं की मालवा शाखा की महिला प्रमुख वैशाली मालवीय, प्रभारी बीके शशि दीदी, बीके यशवनी दीदी, बीके शारदा दीदी ने विचार व्यक्त किए।

अंबिकापुर, छग। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र पर त्रिस्तरीय नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें ग्राम विकास प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका बीके सरिता दीदी, सांसद चिंतामणि महाराज, जिपं के सीईओ विनय कुमार अग्रवाल, जिपं अध्यक्ष निरूपा सिंह ने संबोधित किया।

छतरपुर, मप्र। ब्रह्माकुमारीज किशोर सागर द्वारा सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शैलजा के मार्गदर्शन में सिविल लाइन थाना, स्कूल-कॉलेज में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें बीके रीना दीदी, बीके कल्पना दीदी ने पर्यावरण संरक्षण पर अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर रजनी बहन सहित समस्त पुलिस स्टाफ उपस्थित रहा।

रण दिवस

एक पेड़ मां
भियान जारी

त संस्थान द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में देशभर
है। इसके तहत सेवाकेंद्रों के माध्यम से जगह-जगह
ष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन आबू रोड द्वारा 5 जून से 25
म चलाया जाएगा। इसके तहत शहर के अलग-अलग
मैदान आदि में 20 हजार पौधे रोपे जाएंगे। पौधारोपण
हिनीवन में एसडीएम शंकरलाल मीणा, डीएफओ शुभम
पीआरओ बीके कोमल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

अलकापुरी, वड़ोदरा (गुजरात)। विश्व पर्यावरण दिन पर एक पेड़ मां के नाम विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया। असिस्टेंट म्यूनिसिपल कमिश्नर सुरेशभाई, कॉरपोरेटर रीता आचार्य, बीके डॉ. निरंजना दीदी, चाइल्ड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट की अंबिका जायसवाल, सीए डॉ. उमेश डांगरवाला, बीके नरेंद्र भाई से मौजूद रहे।

बड़ा मलहरा, मप्र। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में सेवाकेंद्र द्वारा ग्राम सड़वा के पोखरिया सरकार में पौधारोपण किया गया। इस मौके पर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रूपा दीदी, सरपंच दीपक अहिरवार, सचिव मोहन तिवारी, वन विभाग से राम चरण अहिरवार ने पौधारोपण कर उपस्थित लोगों को सुरक्षा का संकल्प कराया।

छतरपुर, मप्र। मप्र शासन खेल विभाग की मां तुझे प्रणाम योजना के अंतर्गत चयनित युवाओं का दल प्रदेश के ऐतिहासिक स्थान का भ्रमण करते हुए छतरपुर पहुंचा। इस दौरान ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र पर आयोजित कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी बहनों ने 60 युवा खिलाड़ियों व अधिकारियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

अटलादरा, गुजरात। ब्रह्माकुमारीज द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सेवाकेंद्र प्रभारी बीके डॉ. अरुणा बहन ने अतिथि म्यूनिसिपल कमिश्नर अरुण महेश बाबू, मनोचिकित्सक डॉ. विशाल भाई शाह, प्री स्कूल एसो. के वाइस प्रेसिडेंट आरती बहन को पौधे भेंट करके स्वागत किया।

सिविल लाइन, छतरपुर,मप्र। विश्व पर्यावरण दिवस पर सिविल लाइन सेवा केंद्र द्वारा रेल्वे स्टेशन पर कार्यक्रम आयोजित कर पौधारोपण किया गया। साथ ही लोगों को स्वस्थ पर्यावरण बनाने के लिए जागरूक किया गया। इस मौके पर रेलवे स्टेशन प्रबंधक राजकुमार सहित अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे।

कूचबिहार, गुंजवाडी, पश्चिम बंगाल। विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बीके संपा बहन ने कहा कि आत्म शुद्धिकरण से ही पर्यावरण का शुद्धिकरण संभव है। इस मौके पर डिवीजनल फॉरेस्ट ऑफिसर असिताभ, डीएफओ सहित अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे।

हरपालपुर (छतरपुर, मप्र)। ब्रह्माकुमारीज के दिव्य धाम सेवाकेंद्र द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण किया गया। विद्युत विभाग के रिटायर्ड इंजीनियर श्रीराम अग्रवाल, केशव अग्रवाल, प्रभारी बीके आशा दीदी ने संबोधित करते हुए लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने और उनकी रक्षा करने का संकल्प कराया।

पन्ना, मप्र। विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण किया गया। इसमें पन्ना सेवाकेंद्र प्रभारी सीता बहन ने सभी को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प कराते हुए अधिक से अधिक पौधारोपण करने का संदेश दिया और पौधों की सुरक्षा का संकल्प कराया। इस मौके पर विशेष रूप से डीएफओ अनुपम शर्मा ने मौजूद रहे।

बिजावर, छतरपुर, मप्र। विश्व पर्यावरण दिवस पर जेल प्रांगण में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें सेवाकेंद्र संचालिका बीके प्रीति दीदी स्वच्छ पर्यावरण और पर्यावरण संतुलन पर अपने विचार व्यक्त किए। सहायक जेल अधीक्षक मुकेश कुमार मांझी के साथ जेल प्रांगण में पौधारोपण किया।

सीआईएसएफ कैंप में तनाव मुक्ति कार्यशाला आयोजित

राजयोग से मन को बना सकते हैं सशक्त

शिव आमंत्रण, वाराणसी, उप्र

ब्रह्माकुमारीज़ के सुरक्षा सेवा प्रभाग के अंतर्गत क्षेत्रीय मुख्यालय सारनाथ द्वारा भारत के प्रमुख बांधों में से एक सोनभद्र के पिपरी स्थित रिहंद बांध के सीआईएसएफ कैम्प में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रेरक वक्ता बीके तापोशी बहन ने कहा कि शरीर के साथ मानसिक व्यायाम और सकारात्मक चिंतन की विधि सीखकर हम तन-मन को संतुलित और सशक्त बना सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आने वाली अनेक नकारात्मक चुनौतियों का सहज समाधान कर आगे बढ़ने के लिए राजयोग को सरल और प्रभावशाली माध्यम बताते हुए अनुभूति युक्त राजयोग अभ्यास कराया। सीआईएसएफ के डिप्टी कमाण्डेण्ट मुकेश कुमार ने कहा कि आप भगवान का रूप बनकर स्वयं चलकर हमारे पास आए हैं। हमें काफी समय से तलाश थी कि आप जैसी बहनें-भाई हमारे बीच आकर संतुलित जीवन जीने की कला का मार्गदर्शन दें। सोनभद्र प्रभारी बीके सुमन बहन, रेनुकूट प्रभारी बीके प्रतिभा बहन, बीके विपिन भाई, बीके राजू भाई, बीके संदीप भाई, बीके प्रियंका बहन, बीके मोहन भाई ने भी संबोधित किया।

मुंबई। गुणीगुरु - पर्सनल और लाइफ स्किल डेवेलपमेंट कोचिंग में आयोजित सेमीनार में बीके निकुंज भाई ने विद्यार्थियों और स्टाफ को मोटिवेट किया। साथ ही सकारात्मक चिंतन और राजयोग ध्यान का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक मूल्यों को दैनिक जीवन की गतिविधियों में सहजता से शामिल कर सकते हैं।

समय पर हर कार्य करने का विशेष महत्व होता है

शिव आमंत्रण, भिलाई,छग। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा सेक्टर 7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में नौ दिवसीय गुड बाय टेंशन अलविदा तनाव शिविर आयोजित किया गया। इसमें तनावमुक्ति विशेषज्ञ ब्रह्माकुमारी पूनम दीदी ने कहा कि समय पर हर कार्य करने का विशेष महत्व होता है। समय पर कार्य न करने से चिंता तनाव होता है। सतयुग में सृष्टि पर भारत में देवी-देवताओं का राज्य था, जहां शांति, खुशी, निश्चिंतता ,सुख-चैन अथाह धन संपदा वैभव था। वहां आपसी संबंधों में निस्वार्थ प्यार था। उसी सतयुग, स्वर्णिम भारत का गायन है। जहां डाल-डाल पर सोने की चिड़िया करती थी बसेरा, वह भारत देश है मेरा। त्रेतायुग के अंत की जनसंख्या 33 करोड़ थी। आदि सनातन देवी-देवता धर्म दैवीय संस्कृति जिसका शास्त्रों में 33 करोड़ देवी-देवताओं का गायन है।

फिर सृष्टि में काल चक्र द्वारा कलयुग का आगमन हुआ जिसमें आत्मा रूपी बैटरी की डिग्री जीरो हो गई। न तन का सुख, न मन का सुख, न संबंधों का सुख। अनिद्रा, तनाव, डिप्रेशन, फास्ट फूड, फास्ट ड्राइव, फास्ट डेथ आदि बढ़ गए। समय परिवर्तनशील है। युग परिवर्तन का समय आ गया है। विश्व पटल पर भारत पुनः सोने की चिड़िया स्वर्णिम भारत के रूप में प्रत्यक्ष होगा। शिविर के अंतिम चरण में महाविजय उत्सव मनाया गया। जिसमें शंख, घंटी लेकर जहां डाल-डाल पर सोने की चिड़िया करती थी बसेरा... गीत के साथ ब्रह्माकुमारी बहनें हाथ में शिव ध्वज लेकर तथा भारत माता द्वारा लहराते तिरंगे के साथ पीस ऑडिटोरियम के मंच पर प्रवेश होने पर मानो स्वर्णिम भारत सतयुग का आगमन खुशी उमंग उत्साह की किरणे संपूर्ण भवन में प्रवाहित हो गई। विशेष हवनकुण्ड में पंडितजी द्वारा तनाव, भय, क्रोध, घृणा, डिप्रेशन, ईर्ष्या, हृदय रोग, सिरदर्द, डायबिटीज, हाई ब्लडप्रेशर, व्यसन-गुटखा, बीड़ी-सिगरेट, शराब-तंबाकू, सभी कमी- कमजोरियों, सभी दुःख-अशांति स्वाहा करवाया गया। सभी ने अपनी-अपनी कमजोरी परमात्मा को साक्षी मानकर हवनकुण्ड अग्नि में स्वाहा किया की। विशेष रूप से संचालिका बीके आशा दीदी भी मौजूद रहीं।

शिवशक्ति लीडरशिप: प्रेम सिद्ध नहीं कराता स्वीकार कराता है

शिव आमंत्रण, राजकोट, गुजरात। ब्रह्माकुमारीज़ के हेपी विलेज रिट्रीट सेंटर पर शिवशक्ति लीडरशिप इनीशिएटिव प्रोग्राम के तहत एक दिवसीय अनुभावनात्मक रिट्रीट का आयोजन किया गया। इसमें माउंट आबू से पधारीं संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके सुदेश दीदी ने कहा कि प्रेम का झरना सदा बहता रहे। प्रेम हमें समझ देता है, ताकि अपनी कमी को सुधार सकें। प्रेम सिद्ध नहीं कराता स्वीकार कराता है। विश्वास और शक्ति के लिए एक परमात्मा से नाता जोड़ने की जरूरत है, क्योंकि वही शक्ति देकर आत्मशक्ति को बढ़ाता है।

गुजरात जोन की निदेशिका राजयोगिनी बीके भारती दीदी ने सभी से राजयोग अपनाने का आह्वान किया। शिवशक्ति लीडरशिप इनीशिएटिव प्रोग्राम की इंडिया फोकल पर्सन बीके सुनीता दीदी ने प्यार की डोर, रिश्तों में जरूरी सर्कल और रोप रचनात्मक एक्टिविटी से सभी महिलाओं को जीवन के प्रैक्टिकल अनुभव से रुबरु कराया। इसमें अतिथि के रूप में विधायक डॉ. दर्शिता शाह, महापौर नयनाबेन पेढडिया, इनर व्हील क्लब की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रीति बहन गुगनानी, मिस इण्डिया और नेशनल ब्रान्ड एम्बेसेटर महिला सशक्तिकरण सिद्धि जोहरी, क्रेडाई महिला विंग की राजकोट अध्यक्ष दर्शना पटेल, उमा सारथी फाउंडेशन की संस्थापक ज्योति तिलवा, सरोजनी नायडू गर्ल हाईस्कूल की प्राचार्या सोनल फ़डू, डॉ. दर्शन पंड्या सहित अन्य गणमान्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

सार समाचार

अंबाला, हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ दयाल बाग सेवाकेंद्र द्वारा शिपिंग एविएशन एवं टूरिज्म विंग के तहत मेरा देश-मेरी शान साइकिल यात्रा निकाली गई। यात्रा पांच ऐतिहासिक महत्व और भारतीय विरासत के सूचक स्मारकों से होकर गुजरी। शुभारंभ बीके भारत भूषण, बीके शैली बहन, बीके प्रीति बहन, प्रधानाचार्य सुखदेव सिंह, राकेश मेहता, बीके आशा बहन द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया।

उसलापुर, बिलासपुर, छग। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र द्वारा मेडिटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें इंदौर से पधारे धार्मिक प्रभाग के जोनल संयोजक बीके नारायण भाई ने कहा कि राजयोग से कर्मों में परफेक्शंस आता है। राजयोग हमारी आत्मा को दिव्य बनाता है। सीआरपीएफ की डिप्टी एसपी कलावती बहन, समाजसेवी रूबी बहन, बीके कविता बहन ने भी संबोधित किया।

लवकुशनगर, मप्र। मां भगवती कल्याण समिति ट्रस्ट द्वारा सद्भावना दिवस के अवसर पर नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत माता बंबरबेनी धर्मशाला में जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इसमें बीके सुलेखा बहन ने नशामुक्त भारत अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बीके उषा बहन, मंदिर ट्रस्ट के जिला अध्यक्ष अनुपम त्रिपाठी ने भी विचार व्यक्त किए।

सिमराही बाजार, सुपौल (बिहार)। नशामुक्त भारत अभियान के तहत विशेष सशस्त्र पुलिस भीमनगर पुलिस ट्रेनिंग कैंप के ट्रेनी जवानों के लिए मोटिवेशनल कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सेवाकेंद्र प्रभारी बीके बबीता, बीके किशोर और बीके राजीव ने जवानों को मोटिवेट किया। इस मौके पर कमांडेंट रवि रंजन कुमार विशेष रूप से मौजूद रहे।

उदवाड़ा, गुजरात। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा शिक्षकों के लिए प्रेरक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बीके डॉ. दामिनी बहन, बीके रंजन दीदी, बीके पारुल बहन, बीके मीनल बहन ने मूल्यनिष्ठ शिक्षा और राजयोग मेडिटेशन को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

उत्तराखण्ड दिव्यांग समानता, संरक्षण एवं सशक्तिकरण अभियान

सकारात्मक प्रेरणा से बदलेगा दिव्यांगों का जीवन

शिव आमंत्रण, देहरादून, उत्तराखंड

ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र पर दिव्यांग समानता, संरक्षण एवं सशक्तिकरण अभियान का शुभारंभ किया गया। इस दौरान राज्य दिव्यांग कल्याण आयोग के सदस्य संदीप अरोड़ा ने कहा कि मैं खुद एक दिव्यांग हूं और मैं उनकी समस्याओं से भली-भांति परिचित हूं।
राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांग जन स्कूल के प्रधानाचार्य अमित शर्मा ने कहा कि उनके स्कूल के बच्चे सामान्य बच्चों से अधिक प्रतिभावान हैं। बस उन्हें सकारात्मक रूप से प्रेरित करने की आवश्यकता है।
देवभूमि बधिर एसोशिएशन की प्रदेश प्रवक्ता सोनिया अरोड़ा ने कहा कि राज्य में दिव्यांगों का चिन्हीकरण करके उनके पुनर्वास की पहल करना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए। दिव्यांग सेवा विभाग के सूर्य प्रकाश ने बताया कि राजयोग के अभ्यास से स्वयं को आत्मा समझते हुए देहाभिमान से परे होने का बोध ही दिव्यांगों को विशेष बना सकता हैं। बीके मंजू दीदी, हरिद्वार की प्रभारी बीके मीना, मधुबन से बीके कमलेश, बीके शोभिक, बीके साधना, बीके वीणा, बीके संजय भाई ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन सुशील भाई ने किया। अतिथियों के सम्मान के साथ बड़ी संख्या में भाई-बहन मौजूद रहे।

इंदौर, मप्र। विश्व पर्यावरण दिवस पर न्यू पलासिया स्थित ज्ञानशिखर ओमशांति भवन में पर्यावरण संरक्षण- जीवन संरक्षण विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय निदेशिका बीके हेमलता दीदी, पूर्व अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक पीसी दुबे, उज्जैन की वन संरक्षक किरण बिसेन, नगर निगम के जल विभाग के कार्यपालन यंत्री संजीव श्रीवास्तव ने विचार व्यक्त किए।

शांति से बड़ी कोई औषधि नहीं, चिंता से बड़ा कोई रोग नहीं है

शिव आमंत्रण, भोपाल, मप्र। ब्रह्माकुमारीज संस्थान की इस वर्ष की थीम विश्व एकता और विश्वास के लिए राजयोग के अंतर्गत सुख-शांति भवन मेडिटेशन रिट्रीट सेंटर नीलबड़ में सेवानिवृत्ति सैनिकों के लिए मेंटल हेल्थ एंड वेलबीइंग विषय पर पूर्व सैनिकों के लिए एक दिवसीय विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जीओसी 21 कोर के लेफ्टिनेंट जनरल प्रितपाल सिंह थे।
पॉलीक्लीनिक भोपाल के प्रभारी अधिकारी कर्नल जितेंद्र ने ईसीएचएस एवं ब्रह्माकुमारी संस्थान के बीच किए गए एमओयू की सराहना करते हुए कहा कि पूर्व सैनिकों के मानसिक स्वास्थ्य और समग्र कल्याण के लिए यह इस दिशा में बहुत अच्छा कदम है, जिसका पूरा लाभ सेवानिवृत्ति सैनिकों को मिलेगा। पहले संयुक्त परिवार होते थे, जिससे भावनात्मक सहयोग मिलता था, परंतु आज भौतिकता की होड़ में न्यूक्लियर फैमिली के कारण अकेलापन और अवसाद बढ़ रहा है। 35 से 50 वर्ष की आयु में होने वाले अर्ली रिटायरमेंट के कारण कई सैनिक सामाजिक रूप से सहजता से समायोजित नहीं हो पाते हैं।
डायरेक्टर कर्नल बी दास ने कहा पूर्व सैनिकों को जो स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां आती हैं, उनका एक बड़ा कारण तनाव है। दवाई वास्तव में एक ऐसा जहर है जो शरीर के भीतर के रोग रूपी जहर को मारती है परंतु इसके अपने साइड इफेक्ट्स हैं। यदि हम मानसिक शांति को प्राथमिकता दें तो दवा की आवश्यकता ही कम हो सकती है। मेंटल हेल्थ पर मुख्य वक्ता इंदिरा गांधी अस्पताल की डॉ. प्रियंका नेगी ने वर्तमान स्थिति बताते हुए कहा कि आज मानसिक तनाव एवं चिंताएं तेजी से बढ़ती जा रही हैं, उन्होंने उदाहरण दिया कि लगभग 50% लकवा के शिकार मरीजों के अटैक का कारण क्रोध होता है। शांति से बड़ी कोई औषधि नहीं एवं चिंता से बड़ा कोई रोग नहीं है। ईसीएचएस के प्रभारी अधिकारी कर्नल जितेंद्र, कर्नल बीआर दास, संचालिका बीके नीता दीदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

रायपुर: आईआईएम में दिए माइंड मैनेजमेंट के टिप्स

शिव आमंत्रण, रायपुर, छग। हम सभी अपना भविष्य खुद बनाते हैं। जीवन में आत्म विश्वास, आत्म सम्मान और दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। अपने उपर पूरा विश्वास हो कि मैं यह कर सकता हूं। मन में कार्य को करने की रूचि और लगन भी होना जरूरी है।
यह विचार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी वीणा दीदी ने नवा रायपुर के भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) में दन्तेवाड़ा क्षेत्र से आए इन्टरपिन्योरशिप के विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आजकल प्रतिस्पर्धा का समय है इसलिए बच्चे थोड़ी सी असफलता मिलने पर मायूस होकर अपनी जान देने में नहीं हिचकते हैं। उन्हें अपने माता-पिता और परिवारजनों का जरा भी ख्याल नहीं आता है। क्या हमारी जान इतनी सस्ती हो गई है? लोगों के मन शान्ति नहीं होने से वह शान्ति को बाहरी वस्तुओं में ढूंढ रहे हैं। इसका प्रमुख कारण है कि उनका ध्यान केन्द्रित नहीं होने से भटक रहा है। पहले शिक्षा के क्षेत्र में इतने साधन और सुविधाएं नहीं थीं। आज हमें सुविधाएं बहुत अधिक मिली हुई हैं लेकिन मन को भटकाने वाली चीजें कम्प्यूटर, मोबाईल और टेलीविजन भी ज्यादा हो गई हैं। हमारी संस्कृति कहती है कि मनुष्य के बन्धन और मोक्ष का कारण हमारा मन है। अगर अवस्था ठीक है तो व्यवस्था ठीक है। रात्रि में देर तक जागना स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है। रात को जल्दी सोएं और सुबह जल्दी उठकर पढ़ाई करें। सुबह की शुरूआत मेडिटेशन से करें।

सार समाचार

सारनाथ, वाराणसी, उप्र। ब्रह्माकुमारीज के क्षेत्रीय मुख्यालय ग्लोबल लाईट हाउस, सारनाथ के सभागार में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के तहत 21 दिवसीय योग कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ संस्था की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी बीके सुरेन्द दीदी, प्रबंधक राजयोगी बीके दीपेन्द, आयुष विभाग के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजनीश यादव, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिनेश ने दीप प्रज्वलित कर किया। योग प्रशिक्षिका योगिनी शर्मिष्ठा सेठ ने विभिन्न योग आसन के बारे में बताया।

मथुरा, उप्र। मथुरा रिफायनरी नगर में ऑफीसर्स क्लब और ब्रह्माकुमारी संस्था के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय डिवाइन संस्कार समर कैंप आयोजित किया गया। इसमें सौ से अधिक बच्चों ने सहभागिता की। पतंजलि योग समिति से योगाचार्य देशराज ने योग-प्राणायाम, हास्य योग के प्रशिक्षक आरबी अग्रवाल और राजयोग मेडिटेशन की क्लास राजयोगिनी बीके कृष्णा दीदी ने ली।

जबलपुर, मप्र। ब्रह्माकुमारीज के शिव स्मृति भवन नेपियर टाउन के सभागार में बच्चों के लिए समर कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें राजयोग मेडिटेशन पर मुख्य रूप से ध्यान दिया गया। कैंप में बच्चों को पेंटिंग, डांसिंग, सिंगिंग, एक्टिंग और राइटिंग जैसी विभिन्न प्रतिभाओं में भाग लिया। इसमें बीके वर्षा बहन, बीके भावना बहन, बीके परेश भाई ने अपने विचार व्यक्त किए।

रांची, झारखंड। ब्रह्माकुमारीज चौधरी बागान हरमू रोड सेवाकेंद्र पर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। सेवानिवृत डीजीएम सुभाष चंद गर्ग, समाजसेवी मनोहर केड़िया, रांची विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण के संकायाध्यक्ष (डीन) सुदेश साहू, संचालिका बीके निर्मला दीदी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक अशोक कुमार, प्रो. डॉ किरण कुमारी, बीके प्रदीप ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

बेतिया, बिहार। विश्व पर्यावरण दिवस पर प्लास्टिक प्रदूषण को मात दें विषय पर प्रभु उपवन भवन संत घाट में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें संचालिका बीके अंजना दीदी सभी भाई-बहनों को अपने-अपने घरों में एक पौधा लगाने का संकल्प दिलाया। साथ ही प्लास्टिक का उपयोग पूर्ण रूप से त्यागने का आग्रह भी किया। जीएमसीएच की सुपरिटेंडेंट डॉ. सुधा भारती, स्टेट बैंक मैनेजर सुरेश कुमार, समाजसेवी राजेश बरनवाल, पुनीता देवी, विनोद जायसवाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अगर अपनी कमी मिटानी है तो किसी की कमी नहीं देखो

प्रेरणापुंज

राजयोगिनी दादी जानकी,
पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज, माउंट आबू

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

आत्म स्थिति में रहना, अपने को आत्मा समझ बाबा से शक्ति खींचना, देही अभिमानी बनना है। ज्ञान का सागर, प्रेम का सागर, शांति का सागर, सर्वशक्तिवान शिवबाबा है। मैं अपने को आत्मा समझकर बाबा से ऐसा संबंध जोड़ूं जो आत्म-स्थिति में रहने की शक्ति अंदर से अडोल बना दे। अडोल स्थिति कैसे बनी? कभी न चलायमान, न डोलायमान। इसके लिए चाहिए एकाग्रता की शक्ति। बाबा कहते हैं, बच्चे, तुम मास्टर सर्वशक्तिमान हो। वो तब समझेंगे जब स्मृति होगी मैं बाबा की बाबा मेरा। ऐसा महसूस करने से सुख मिलता इलाही है। जो मन, बुद्धि को अपने ऑर्डर में रखता है वो हमेशा खुश रहता है। योग में कर्मातीत, अव्यक्त, संपूर्ण-आप सब ही तो बनने वाले हो। दिन-प्रतिदिन न्यारे बनने से, बाबा का प्यार पाने से धरती पर पांव नहीं रहने चाहिए। फरिश्तों के पांव धरती पर नहीं रहते हैं। साकार में रहते भी अव्यक्त निराकारी रहते हैं।

सर्वगुणों में संपन्न बनने के लिए, औरों को भी गुणवान बनने के लिए हम साथ दे रहे हैं। मेरे को तो भगवान ने जो पार्ट दिया है, उसमें बहुत खुश हूं, मस्त योगी हूं, मस्त फकीर। कितना अच्छा पार्ट बाबा ने दिया है। हर एक का अच्छा पार्ट है। सबके पार्ट को साक्षी हो देखना, यह भी अच्छा है। सबके साथ मिलनसार होकर मिलकर रहना यह बहुत अच्छा पार्ट है। ऐसी कोई आत्मा न हो जो मैं कहूं, यह अच्छी नहीं है, यह सोचना भी नहीं है।

> ■ बाबा बैठा है, हम निश्चिंत हैं, पर निश्चिंत भी तभी रहेंगे जब हमारे चिंतन में बाबा होगा।

कभी भी कोई आपके चेहरे पर नाखुशी को ना देखे-

कभी भी स्वभाव परिवर्तन न हो। सदा ही क्वीन मदर की बात याद रखना - झुक-झुक, मर-मर, सीख-सीख। सुनने में भी ऐसी सीखने की भावना, स्नेह की भावना, सच्चाई की भावना हो जो हम सब एक के हैं, एक हैं। वन गॉड वन वर्ल्ड वन फैमिली हैं। इतना अंदर बुद्धि बेहद में रहे, खुश रहे। कभी भी कोई आपके चेहरे पर नाखुशी को ना देखे। सदा एक बाप दूसरा ना कोई। एक बाबा के सिवाय दूसरी कोई बात दिल में नहीं रखनी है। बाबा बैठा है, हम निश्चिंत हैं, कोई चिंता की बात नहीं है पर निश्चिंत भी तभी रहेंगे जब हमारे चिंतन में बाबा होगा। शुभ चिंतन होगा अपने लिए, शुभ चिंतक होंगे सबके लिए। पुरुषार्थ में, चाहे सेवा में, चाहे संबंध में, स्व सेवा संबंध तीनों ही श्रेष्ठ हों। जब हम ऐसी चलन चलते हैं, ऐसा भाग्य बनाते हैं, तो हमारे को देख औरों का भाग्य बन जाता है।

अपने को टीचर नहीं समझो, सेवा साथी हो-

ना किसी की कमी देखो, ना सुनो, ना मुख से वर्णन करो, यह थोड़ी भी आदत हो तो मिटा देना। कमी देखना, सुनना फिर मुख से बोलना- बड़ा नुकसानकारक है। अगर अपनी कमी मिटानी है तो किसी की कमी नहीं देखो। अपने को टीचर नहीं समझो, सेवा साथी हो। एक योग अपने लिए लगाते हैं जो कोई याद ना आए, दूसरा सेवा में योग लग जाता है। सेवा करते रहो कभी थकना नहीं है। थकते वो हैं जो आवाज में ज्यादा आते हैं। थकावट उनकी होती है जो देह अभिमान में आते हैं। बाबा की सेवा है, बाबा के बच्चों की सेवा है, हम सेवाधारी हैं, सच्चाई और प्रेम में थकावट नहीं होती है। योग और ज्ञान है तो ऑटोमेटिक देह संबंध से न्यारे और बाबा के प्यारे हो जाते हैं। ऐसी स्मृति अच्छी हो कि सब बाबा के प्यारे बच्चे हैं, भले हजारों बैठे हैं पर सब बाबा के बच्चे हैं।

रियल लाइफ

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा, संस्थापक, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, माउंट आबू

1956 में मुंबई में हुए वेदांत सम्मेलन में ब्रह्माकुमारी बहनों ने किया संबोधित

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

दिनांक 30 जनवरी, 1956 को मुम्बई में वेदान्त सम्मेलन हुआ था जिसमें ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय को भी सम्मिलित होने के लिए निमन्त्रण मिला था। उस सम्मेलन में भी प्रायः शंकराचार्य के अद्वैत मत के संन्यासियों आदि ने भाग लिया था। उसमें 'निर्मल स्वामी जी' तथा अन्य बहुत से संन्यासी भी थे जिन्होंने कि अमृतसर में ब्रह्माकुमारी बहन के भाषण को सुना था। उन्हें यह मालूम था कि यह ईश्वरीय विश्व विद्यालय परमात्मा को सभी आत्माओं से अलग, सर्वश्रेष्ठ और जन्म-मरण तथा दुःख-सुख से न्यारा मानता है और शंकराचार्य के अद्वैतवाद से सहमत नहीं है। अतः उन संन्यासियों ने वहाँ के आयोजकों पर दबाव डाल कर ब्रह्माकुमारी बहनों का निमन्त्रण कैन्सिल करा दिया। आयोजकों ने कोई कारण भी न दिया कि आखिर जो निमन्त्रण उन्होंने पहले लिखित रूप में दिया था; उसके आधार पर आबू से आई ब्रह्माकुमारियों का निमन्त्रण समाप्त क्यों कर दिया। वे तो कहते हैं कि 'नारी को 'ओम्' कहने का भी अधिकार नहीं है, ब्रह्माकुमारी बहनें पवित्र प्रवृत्ति मार्ग पर अर्थात् 'गृहस्थ व्यवहार करते हुए भी पवित्र जीवन' बनाने पर जोर देती थीं। अतः संन्यासियों ने विरोध-भाव के वशीभूत हो निमन्त्रण खत्म करा दिया। परन्तु ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय से लाभान्वित होने वाले कई लोग आयोजकों से मिले और उन्होंने कहा कि जनता को इन बहनों के उच्च अनुभव का लाभ मिलना चाहिए। उन्हें यह भी कहा गया कि जिन संन्यासियों ने बहनों को निमन्त्रण न देने के लिए दबाव डाला है, उनसे भी हमारी बात कराई जाये कि आखिर सब को एक ही आत्मा मानने वाले अद्वैतवादियों में यह द्वैत क्यों पैदा हुआ। अन्त में आयोजकों ने बहनों का भाषण रखने का निर्णय किया। मंच मन्त्री ने मंच पर से बहनों के नाम की घोषणा की कि वे आएं और अपना भाषण रखें परन्तु बहनों को सूचना देर से मिली थी इसलिए वे नाम की घोषणा के बाद पहुँची और उन्हें मंच पर आदरपूर्वक बिठाया गया। मंच मन्त्री की कोशिश थी कि समय रहने पर इनका भाषण हो परन्तु उस दिन कार्यक्रम समाप्त होने वाला था। उस दिन वहाँ भारत सरकार के तत्कालीन मन्त्री गुलज़ारीलाल नन्दा का भाषण था। पहले निमन्त्रण मिलने पर बहनों का जो भाषण तैयार था, उसको तो पुस्तिका के रूप में छपवाया गया था। उसकी प्रतियाँ उस सम्मेलन में सभी को बाँट दी गई।

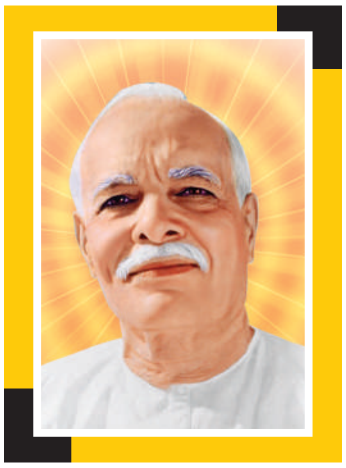

भारत साधु समाज बनाने का प्रस्ताव पारित किया

सम्मेलन में 'भारत साधु समाज' बनाने का भी प्रस्ताव पारित किया गया था। सम्मेलन समाप्त होने पर ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से एक तार मन्त्री गुलजारी लाल नन्दा के नाम भेजा गया। उसमें उन्हें लिखा गया कि पंचवर्षीय योजना और 'भारत साधु समाज' के बारे में हम ईश्वरीय ज्ञान पर आधारित कुछ दृष्टिकोण पेश करना चाहते हैं। इसके उत्तर में गुलज़ारीलाल नन्दा का दिनांक 16 फरवरी 1956 को तार आया कि आप कल ही बिड़ला मन्दिर नई देहली में हो रही बैठक में सम्मिलित हों। अतः ईश्वरीय विश्व विद्यालय के प्रतिनिधि अगले ही दिन सम्मिलित हुए। उसके शीघ्र ही बाद 20 फरवरी 1956 को गुलज़ारीलाल नन्दा के निवास पर द्वितीय पंचवर्षीय योजना के बारे में उन्हें कुछ सुझाव दिये गये। बाद में ये सुझाव उन्हें लिखित रूप में भी भेजे गये। उसकी प्रति साइक्लोस्टाइल कराके अन्य विशिष्ट लोगों को भी दी गई। **क्रमशः**

अव्यक्त इशारे

राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी (गुलजार दादी), पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़, माउंट आबू

सदा खुशी में रहें कि-भगवान हमारा साथी है

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

सारे ज्ञान का सार तीन बार ओम शान्ति में आ जाता है। मुख्य है बाप, दादा और ड्रामा। ड्रामा का ज्ञान मुख्य है। ड्रामा को जानने से हम नॉलेजफुल बन जाते हैं। क्या थे, क्या हैं और क्या बन रहे हैं। कभी भी कोई दिलशिकस्त होता है तो ड्रामा उसे उत्साह में ले आता है। कितने बार हम कल्प में बाबा के बने। बाबा शब्द बोलते ही खुशी होती है। बाबा भी हम बच्चों को देख बहुत खुश होते हैं। हमारे जैसा भाग्य, हमारे जैसा ड्रामा में पार्ट कोई-कोई आत्मा का होता है। सारे दिन में कर्मयोग करते भी खुशी कम नहीं होती। भगवान ने हमें अपना बच्चा बना लिया, इससे बड़ा भाग्य क्या होगा? जो पाना था सो पा लिया। हमारा भाग्य कितना श्रेष्ठ है जो स्वयं भगवान ने हमें ढूंढ़ा है। अन्दर में खुशी और नशा हो भगवान हमारा साथी है। जब भी दिल में बाबा याद आता है तो दिल कहता है वाह बाबा वाह! हमें क्या से क्या बना दिया। बाबा बच्चों को हमेशा चेतन्य ठाकुर के रूप में देखते थे। जब भी कोई नया फल आता था तो सबसे पहले बच्चों को अपने हाथों से खिलाते थे। बाबा बच्चों को हमेशा बोलते कि आपका चेहरा खिले हुए गुलाब की तरह खुशमिज़ाज होना चाहिए। किसी का खुशमिजाज चेहरा देखेंगे तो अवश्य दिल में आएगा कि इनको कुछ मिला है। कोई गरीब होता है उसको अगर लॉटरी लग जाए तो उसका चेहरा कितना खुशमिजाज होगा। हमें भगवान मिला है तो हमारा चेहरा भी सदा खिला हुआ हो। परमात्मा हमारा बाप, टीचर, सद् गुरु ये तीन संबंध मुख्य रूप से आवश्यक हैं। बाबा का बच्चों से इतना प्यार है। तीनों के पास अलग-अलग से जाने नहीं देता, बाबा एक में ही तीन है। पिता बनकर वर्सा देता है, शिक्षक बनकर शिक्षा देता है और सद् गुरु बनकर रोज हमें वरदान देता है। सारा दिन बुद्धि में याद रहना चाहिए कि आज बाबा ने मुझे क्या वरदान दिया। सारा दिन वरदान याद रखने से अवस्था सहज ही मजबूत हो जाएगी। इसको कहा जाता है बाप और बच्चे का सच्चे दिल का प्यार।

बाबा की पढ़ाई कितनी निराली है। पांच हजार वर्ष की सारी कहानी याद दिला देती है क्या थे, क्या बने हो और क्या बनेंगे। तीनों काल का बता देता है। ऐसा बाप कोई होगा जो रोज वरदान दे, रोज महावाक्य उच्चारण करे। लेकिन बाबा रोज गुड मॉर्निंग और रोज रात को गुड नाइट करने आते थे। बाबा अथाह ज्ञान का धन देते हैं जिससे 21 जन्म दुख - अशान्ति का नाम नहीं होगा। बाबा एक-एक बच्चे को 21 जन्म सुख की गैरन्टी देते हैं। बाबा कहते कि नशा रहना चाहिए कि तुम तीन तख्त के मालिक हो- एक भ्रकुटी तख्त, दूसरा बाबा का दिल तख्त और तीसरा भविष्य राज्य का तख्त। सवेरे आंख खुलते ही बाबा को गुड मॉर्निंग जरूर करें। रोज स्वमान की लिस्ट सामने रखो और सारा दिन एक स्वमान की स्मृति में रहो। रात को अपने पूरे दिन का पोतामेल बाबा को देकर फिर सोना है। अगर गलती भी हो गई है तो बाबा से उसकी माफी ले लो। बाबा को पोतामेल दे देंगे तो मन खाली हो जाएगा। बाबा को सब दे देने से मन हल्का हो जाएगा। मन पर कोई बोझ नहीं होगा तो निरंतर कर्मयोगी बनना आसान होगा। भोजन करने से पहले बाबा को भोग जरूर स्वीकार कराएं। बाबा की स्मृति से भोजन में शक्ति आ जाती है। भोजन की शक्ति से मन भी शक्तिशाली हो जाता है।

जितना नियम-संयम में रहेंगे उतना स्वमान में रहेंगे-

दिनभर में जब भी पानी या चाय आदि पीते हैं बाबा को याद करके पीने से बाबा की स्मृति बनी रहती है। ये नियम बाबा को बार - बार याद करने का सहज साधन हो जाएगा। अपनी दिनचर्या को सेट रखना है। हर घंटे पांच मिनट अपने पांच स्वरूप स्मृति में लाओ, ये नियम पक्का हो जाए तो रात्रि को चार्ट अच्छा हो जाएगा। जितना नियम और संयम में रहेंगे, उतना स्वमान में स्थित रहेंगे। इसके लिए बाबा की मुरली कभी मिस नहीं करनी है। मुरली और मुरलीधर दोनों का महत्त्व होना चाहिए। मुरली के एक-एक शब्द का महत्त्व हमें महान बना देगा। योगी जीवन की धारणा एकदम पक्की हो, मुख से बाबा शब्द कहें और बाबा सामने महसूस हो। जब भी समय मिले एकान्त में बैठकर बाबा से बातें करेंगे तो योग का सब्जेक्ट पक्का हो जाएगा।

सुरक्षा बलों के लिए सेल्फ इम्पॉवरमेंट कार्यक्रम आयोजित

शिव आमंत्रण, ग्वालियर, मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ के सुरक्षा सेवा प्रभाग द्वारा सुरक्षा बलों के लिए चलाए जा रहे देशव्यापी अभियान सेल्फ एम्पावरमेंट फॉर स्ट्रेस फ्री लाइफ के तहत मध्यप्रदेश पुलिस के विशेष सशस्त्र बल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स, बीएसएफ अकादमी टेकनपुर में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए गए।
पनिहार स्थित सीआरपीएफ के सीटीसी में आयोजित कार्यक्रम में वक्ता के रूप मे प्रेरक वक्ता प्रो. ईवी गिरीश, डॉ. गुरचरण सिंह, बीके जीतू उपस्थित थे। इस अवसर पर कमांडेंट बीएके चौरसिया, सहायक कमांडेंट धर्मेंद्र कुमार, निरीक्षक अनिल कुमार सहित अनेक अधिकारी एवं जवान उपस्थित थे।

वहीं द्वितीय वाहिनी विशेष सुरक्षा बल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता माउंट आबू से आए सेवानिवृत्त कर्नल बीसी सती, पुणे से आई सॉफ्टवेयर इंजीनीयर बीके श्वेता, सेवाकेंद्र प्रमुख बीके आदर्श दीदी उपस्थित थीं। इस दौरान कमांडेंट राकेश कुमार सगर, डिप्टी कमांडेंट परवेश खान, डीएसपी सुरेश यादव, मेडिकल ऑफिसर डॉ. ओम प्रकाश वर्मा सहित अन्य अधिकारी व जवान उपस्थित थे।

14वीं वाहनी विशेष सुरक्षा बल में आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली से आए कैप्टन (भ.नौ.) शिव सिंह, सेवानिवृत्त फ्लाईंग अधिकारी रामनरेश दुबे, बीके ज्योति उपस्थित थीं। इस दौरान आईपीएस अधिकारी कमांडेंट डॉ. शिव दयाल सिंह, असि. कमांडेंट कमला रावत, इंस्पेक्टर कृपाल सिंह, राकेश शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं पुलिस के जवान उपस्थित थे।

13वीं वाहिनी वि.स.बल में आयोजित कार्यक्रम में कर्नल बीसी सती, बीके प्रहलाद, बीके विपुल, बीके श्वेता ने संबोधित किया। इस अवसर पर डिप्टी कमांडेंट अनुराग पांडे, सहायक सेनानी संजय कौल, निरीक्षक मुकेश सिंह परिहार बटालियन के अधिकारी -कर्मचारी

चुनौतियों का सामना करने के लिए आंतरिक शक्ति जरूरी

शिव आमंत्रण, मुंबई। ब्रह्माकुमारीज़ की 2025 की थीम एकता और विश्वास के लिए ध्यान के अंतर्गत मुलुंड सबज़ोन द्वारा कच्छी लोहाणा महाजन हॉल, महाजन वाड़ी, राम रतन त्रिवेदी रोड, मुलुंड पश्चिम में सेमिनार आयोजित किया गया। विषय था चुनौतियों का सामना करने के लिए आंतरिक शक्ति। 500 से अधिक लोगों की उपस्थिति में यह संध्या आत्मचिंतन, शांति और आंतरिक ऊर्जा से भरपूर रही। अंतरराष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर बीके गिरीश भाई ने रोचक उदाहरणों, हास्य और गहन आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने आज की अनिश्चित दुनिया को समझाने के लिए बीएएनआई मॉडल (भंगुरता, चिंता, असंगतता, और जटिलता) प्रस्तुत किया और यह बताया कि मूल्य-आधारित जीवनशैली और आंतरिक स्पष्टता से कैसे मानसिक प्रतिरक्षा विकसित की जा सकती है। इसमें सबजोन की निदेशिका राजयोगिनी डॉ. बीके गोदावरी दीदी ने कहा कि आत्मिक चेतना, परमात्मा से संबंध, गुणों की जागरूकता और आशा की लौ से हम जीवन को सुख-शांति बना सकते हैं। उन्होंने समझाया कि ये चार दीपक जीवन की अंधेरी राहों में दिशा देने वाले प्रकाशस्तंभ बनते हैं। इस दौरान एडवोकेट रेखा मेहता, श्री कच्छी लोहाणा महाजनवाड़ी की प्रबंध न्यासी माया कोठारी, वरिष्ठ समाजसेवी नांजी खीमजी ठक्कर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन ऐरोली सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके मीना दीदी ने किया। इसमें सभी को तीन दिवसीय राजयोग ध्यान शिविर में भाग लेने के लिए आमंत्रित भी किया गया।

शान्ति सरोवर रिट्रीट सेंटर में गीता रहस्य प्रवचनमाला आयोजित

भगवान को ज्ञानी व्यक्ति ही सबसे ज्यादा प्रिय हैं: वीणा दीदी

शिव आमंत्रण, रायपुर, छग। ब्रह्माकुमारीज़ के शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में गीता ज्ञान महोत्सव आयोजित किया गया। इसमें मुख्य वक्ता ब्रह्माकुमारी वीणा दीदी ने कहा कि हमें अब ज्ञान का महोत्सव मनाना है। भगवान को ज्ञानी व्यक्ति सबसे अधिक प्रिय हैं। ज्ञानी व्यक्ति सबसे महान है। ज्ञानी व्यक्ति उसे कहते हैं जो कि सुने, समझे और उस पर अमल भी करे। हम उस रास्ते पर चलें जिस पथ पर भगवान हमें गीता के माध्यम से लेकर जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि दुखी, अशान्त और परेशान मानव मन को सुखी, शान्त और समाधानचित्त बनाने के लिए भगवान ने गीता में हमारा मार्गदर्शन किया। हम खुद को भूले हुए थे और गलत रास्ते पर चल रहे थे। गलत सोच रख रहे थे, उससे बाहर निकलकर अपने आपके बारे में सही सोचना सिखाया। हरेक के शरीर में चेतना (आत्मा) है। शरीर की चमड़ी का रंग कैसा भी हो लेकिन सभी की आत्मा एक जैसी है। सब शरीर को देख रहे हैं चेतना को कोई नहीं देख रहा है? इसीलिए भगवान ने हमें देह के भान को भूलाकर चेतना को देखने के लिए प्रेरित किया। उस चेतना के कारण ही जीवन है। उसके कारण ही दुनिया है। इसलिए गीता के ज्ञान द्वारा पहला ज्ञान हमें मिला कि चेतना को देखो। उन्होंने कहा कि आज हमने दुनिया को देखना सीख लिया लेकिन खुद को देखना नहीं सीखा। आईने में खुद को देखते भी हैं तो शरीर को देखते हैं। गीता ज्ञान दाता ने खुद से मिलाते हुए अपने आप (परमात्मा) से मिलाया। परमात्मा ने बहुत सुन्दर अपना परिचय दिया। वह परमात्मा जो सर्वशक्तिवान हैं। जिसके लिए हम सदियों से सुनते आए हैं कि उन्हें देखना मुश्किल है। इन चर्मचक्षुओं से उन्हें नहीं देख सकते हैं।

सार समाचार

लोधी रोड, दिल्ली। सेवाकेंद्र पर वर्क लाइफ बैलेंस विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। एम्स की प्रो. डॉ. सुषमा सागर, प्रेरक वक्ता बीके पीयूष, बीके गिरिजा दीदी ने संबोधित किया। इंडियन ऑयल, मौसम विभाग, हड़को, सीबीआई, एम्स आदि के अधिकारियों ने भाग लिया।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, दावणगेरे, कर्नाटक सेवा केंद का स्वर्ण जयंती मनाई गई। इस भव्य कार्यक्रम का उद्घाटन राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सुदेश दीदी जी ने अपने कमल हस्तों से किया। दिव्य सानिध्य में राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी चक्रधारी दीदी जी उपस्थित थीं। इस संदर्भ में 50 साल से ईश्वरीय सेवा में समर्पित शिव शक्ति ब्रह्माकुमारियों का सम्मान किया गया। वे हैं

लखनऊ, 3 जून 2025: ब्रह्माकुमारीज जानकीपुरम लखनऊ द्वारा आज विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर साइकिल रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का उद्देश्य पर्यावरण अनुकूल परिवहन शारीरिक स्वास्थ्य और सामुदायिक एकता को बढ़ावा देना था। रैली म सभी उम्र के प्रतिभागियों विशेष रूप से बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, इस अवसर पर बी के सुमन दीदी जी ने कहा 'साइकिल

शहडोल, मध्य प्रदेश। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र पर राजयोग द्वारा तन-मन पर विजय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान डॉ. जेडी सिंह, डॉ. प्रीतम थारवानी, डॉ. एके श्रीवास्तव, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश, बीके नारायण भाई, बीके नलिनी बहन ने अपने विचार व्यक्त किए।

अंबिकापुर, छग। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र पर विश्व एकता एवं विकास के लिए ध्यान परियोजना का शुभारंभ वित्त मंत्री ओपी चौधरी, सांसद चिंतामणि महाराज, भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, विधायक प्रबोध मिंज व रामकुमार टोप्पो, महापौर मंजूषा भगत, जिपंच अध्यक्ष निरूपा सिंह और सेवाकेंद्र संचालिका बीके विद्या दीदी ने दीप प्रज्वलित कर किया।

महान व्यक्तित्व गढ़ने में मां का योगदान सबसे अहम

शिव आमंत्रण, सागर, मप्र। ब्रह्माकुमारीज के प्रभाकर नगर मकरोनिया सेवाकेंद्र पर मातृत्व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें सामाजिक कल्याण में पूरे परिवार को सेवा में समर्पित कराने वाली 94 वर्षीय कलावती माता और 86 वर्षीय शांति माता का तिलक, चुनरी, फूलमाला से स्वागत और सम्मान किया गया। समारोह में भोपाल से पधारी जोनल निदेशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी ने कहा कि मां की महिमा सबसे ऊपर, निराली और महान है। दुनिया में जो महान आत्माएं हुईं हैं उन्हें गढ़ने में एक मां का अहम योगदान रहा है। मां द्वारा दिए गए संस्कार बच्चों में जीवन पर्यंत रहते हैं जो उन्हें जीवन के कठिन मोड़ पर मार्गदर्शन करते हैं। मेरे जीवन को गढ़ने में मेरी मां का अहम योगदान है। छतरपुर से पधारीं बीके शैलजा दीदी ने कहा कि आज हम ऐसी मांओ का सम्मान करने जा रहे हैं जिन्होंने बहुत प्यार और निष्ठा के साथ अपना सब कुछ इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय में समर्पित कर। मेरी मां से मिले त्याग, सेवाभाव के संस्कार की बदौलत आज में यहां हूं।

सागर सेवाकेंद्र प्रभारी ने छाया दीदी, ललितपुर से पधारी ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी, टीकमगढ़ से पधारी ब्रह्माकुमारी माया दीदी, खुरई से बीके किरण दीदी, बीके माया दीदी, बीना से बीके जानकी दीदी, बीके नीलम दीदी, बीके लक्ष्मी दीदी, बीके खुशबू दीदी ने भी अपने अनुभव सांझा किए।

युवा काल जीवन का स्वर्णिम काल होता है: बीके अनीता दीदी

भागलपुर, बिहार। ब्राह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें संचालिका बीके अनीता दीदी ने कहा कि यह कुमारों के जीवन का महत्त्व, उनके नैतिक उत्थान, सामाजिक सद्भावना, मानसिक सशक्तिकरण, जीवन का लक्ष्य के प्रति ध्यान आकृष्ट कराना है। किसी भी घर, परिवार, समाज एवं देश के लिए युवा को शक्ति के रूप में देखते हैं। युवा काल का समय जीवन का स्वर्णिम काल कहा गया है। पूर्णिया की संचालिका बीके मुकुटमणि दीदी ने भी संबोधित किया।

वार्षिकोत्सव समारोह संपन्न

हाथरस, उप्र। आनन्दपुरी कालोनी सेवाकेंद्र का वार्षिकोत्सव समारोह संचालिका बीके शांता दीदी के मार्गदर्शन में मनाया गया। इसमें तकनीकी शिक्षा के महानिदेशक एवं सचिव अविनाश कृष्ण सिंह, बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा, विधायक अंजुला माहौर, अपर जिलाधिकारी शिव नारायण सिंह, सिविल जज श्रुति त्रिपाठी अतिथि के रूप में मौजूद रहे। चरखी दादरी से पधारीं बीके प्रेम दीदी ने आशीर्वचन दिए। संचालन प्रीति बहन ने किया।

राजयोग शिविर आयोजित

राजनांदगांव, छग। छुरिया में राजयोग मेडिटेशन शिविर का आयोजन किया गया। इसमें स्थानीय लोगों को राजयोग मेडिटेशन की विधि और कला सिखाई गई। साथ ही सृष्टि चक्र, आत्मा के 84 जन्मों की कहानी आदि के बारे में बताया गया। शिविर के शुभारंभ पर विधायक भोलाराम साहू, नगर पंचायत अध्यक्ष अजय पटेल, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रितेश जैन, सेवाकेंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी पुष्पा दीदी सहित बड़ी संख्या में नगर के लोग मौजूद रहे।

राजयोग से मन को प्राप्त होती है अशीम शांति

आम गोल/ मुजफ्फरपुर (बिहार)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र द्वारा बीएमपी-6 में महिला एवं पुरुष सिपाहियों के लिए एक ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किया गया। इसमें ब्रह्माकुमारी कंचन दीदी ने कहा कि आप सब पुलिस प्रशासन मिलकर शहर और समाज को सुरक्षा प्रदान कर रहे हैं, ताकि समाज में शांति क़ायम रहे। इस भाग दौड़ में आपको परिवार और अपने समाज की सुरक्षा सेवा में कहीं ना कहीं कई बार कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। आपको मानसिक तनाव बढ़ जाता है इसलिए जरूरी है समाज के प्रति जागरूक होने के साथ-साथ अपने मन के विचारों पे भी ध्यान दिया जाना चाहिये। उसकी सुरक्षा के लिए ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सिखाये जाने वाले राजयोग का प्रयोग करना चाहिए। जिससे अपने मन को अशीम शांति प्राप्त होती है और जीवन में सुख शांति होगी। समापन पर आपने सभी को राजयोग का अभ्यास भी करवाया। इस दौरान बीके सीता बहन,बीके सिमरन बहन, बीके भास्कर भाई, बीके अरविंद भी उपस्थित रहे।

सार समाचार

मुंगरा बादशाहपुर (उत्तर प्रदेश)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जिला उपाध्यक्ष राजकुमार जायसवाल, प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाचार्य सुमन गुप्ता एवं सेवाकेंद्र प्रभारी बीके अनीता दीदी ने पौधारोपण किया।

आगरा, उप्र। न्यू सुरक्षा विहार सेंटर द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें वक्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए प्रकृति के प्रति जागरूकता और प्रेम बढ़ाने का संदेश दिया। इस मौके पर बीके मधु दीदी एवं बीके सावित्री बहन, जिला पंचायत अध्यक्ष राकेश बघेल, शारदा यूनिवर्सिटी, आगरा की फैशन डिजाइन विभाग की सहायक डीन एवं एसोसिएट प्रो. डॉ. मोनिका चौहान, डॉ. हर्ष बघेल सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं और पर्यावरण प्रेमियों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

मौदा, महाराष्ट्र। विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण किया गया। इस मौके पर डॉ. सावरकर और उनकी पत्नी डॉ. प्रतिमाताई सावरकर ने पौधारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ती है।

शिवाजी नगर, थाने वेस्ट (मुंबई)। सेवाकेंद्र की ओर से पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में सावरकर नगर में पौधारोपण किया गया। अपने घर में टेरेस पर भी पौधा लगाएं, पर्यावरण की रक्षा करें, साथ ही प्लास्टिक मुक्त भारत बनाने में अपना सहयोग दें। पेड़ लगाने से एवं उसकी रक्षा करने से होने वाले लाभ बताकर डॉ. बीके सरला बहन ने सभी को प्रोत्साहित किया। बीके ज्योत्स्ना बहन ने भी पर्यावरण बचाने का आह्वान किया।

शिव आमंत्रण, सदस्यता हेतु संपर्क करें-

वार्षिक मूल्य 150 रुपए तीन वर्ष 450 रुपए
आजीवन 3500 रुपए
मो 9414172596, 8521095678
Website www.shivamantran.com

पत्र व्यवहार का पता

संपादक ब्र.कु. कोमल
ब्रह्माकुमारीज़, शिव आमंत्रण ऑफिस, शांतिवन, आबू रोड, जिला- सिरोही, राजस्थान, पिन कोड- 307510
मो 8538970910, 9179018078
Email shivamantran@bkivv.org

For online transfer

A/C Name: Rajyoga Education & Research Foundation
A/C Number: 35401958118, IFSC Code: SBIN0010638
Bank & Branch: State Bank Of India, PBKIVV, Shantivan, Abu Road, Rajasthan
Note: On transfer please email details to: shivamantran.acct@bkivv.org, Helpline: 9471854331

Scan To Pay

सेंट पीटर्सबर्ग, रूस। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र लाइटहाउस में संस्था की आध्यात्मिक और सामाजिक सेवाओं की 36वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर भारत से समाज सेवा प्रभाग के 25 सदस्यों का विशेष दल उपस्थित रहा। जिनमें राष्ट्रीय संयोजक बीके अवतार भाई, मुख्यालय संयोजक बीके बीरेंद्र भाई, विशेष रूप से सम्मिलित हुए। रुस की निदेशिका बीके संतोष दीदी ने सभी अतिथियों का स्वागत-सम्मान किया।

बच्चे ईश्वर की बगिया के फूल होते हैं: बीके लुडमिला सिलैवा

इरकुतस्क, रूस। अंतर्राष्ट्रीय बाल दिवस पर 'अपने अंदर एक बच्चे के लिए प्यार कैसे पैदा करें विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बीके लुडमिला सिलैवा ने कहा कि बच्चे ईश्वर की बगिया के फूल होते हैं। आप इस दुनिया को एक खूबसूरत बगीचा बनाते हैं। आज पूरी दुनिया अंतर्राष्ट्रीय बाल दिवस मना रही है। बाल दिवस पहली बार 1950 में दुनिया के 51 देशों में मनाया गया था।
उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक चेतना का अभ्यास करना और एक बच्चे को एक आत्मा के रूप में देखना आवश्यक है, फिर बच्चों के साथ बातचीत सम्मान, प्रेम और आपसी समझ से भर जाएगी। उन्होंने सर्वशक्तिमान पिता, ईश्वर, उनकी देखभाल और सभी के लिए उनके प्यार को भी याद किया। इस दौरान बच्चों ने उत्साहपूर्वक एक संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने अपनी प्रतिभा और क्षमताओं का प्रदर्शन किया। प्रत्येक बच्चे ने अपने कार्यक्रम को इतनी ईमानदारी और पवित्रता से भरा जैसा कि केवल बच्चे ही कर सकते हैं। एक गीत प्रस्तुत किया गया, गिटार के साथ गायन किया गया। एक रचनात्मक कार्य - एक चित्र, जिस पर इसके लेखक सोन्या ने टिप्पणी की, जिसे बाबा के घर में उपहार के रूप में लाया गया। सबसे कम उम्र की प्रतिभागी एन ने प्रेरणा के साथ एक नृत्य प्रस्तुत किया। प्रत्येक कार्यक्रम को माता-पिता से सबसे समर्थन मिला। केंद्र की परंपरा के अनुसार मेहमानों को आशीर्वाद दिया गया।

ट्वेर स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी में मोटिवेशनल सेशन आयोजित

त्वेर, रूस। ट्वेर स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी के भारतीय छात्रों के लिए आई-द कॉर्पोरेशन विषय पर एक मोटिवेशनल सेशन आयोजित किया गया। इसमें भारतीय चिकित्सकों के साथ बीके गैलिना, बीके एलेना और बीके इरिना इलिना ने अपने विचार व्यक्त किए और विद्यार्थियों को मोटिवेट किया। राजयोग शिक्षिका बीके बीके एलेना टिटोवा ने कहा कि आप सभी चेतना प्रकाश हैं। सकारात्मक विचार आत्मा से सकारात्मक कंपन द्वारा बनाए जाते हैं।

बच्चों को दिया मूल्यों का संदेश

मास्को, रुस। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय बाल दिवस मनाया गया। इसमें बच्चों के लिए अनेक मनोरंजक एक्टीविटीज आयोजित कराई गईं। इस दौरान बच्चों के लिए रूमाल नृत्य, एक परी कथा खेलना (छोटे बच्चे और माता-पिता एक साथ), सक्रिय खेल, न्यूरोग्राफिक्स - एक परी कथा बनाना, मास्टरक्लास 'शुभकामनाओं के साथ कबूतर अभियान, दुनिया को खुशी दें, मूल्यों को प्रेरित करने वाले सक्रिय खेल आदि एक्टीविटीज के माध्यम से मूल्यों का संदेश दिया।

तमिल नववर्ष समारोह आयोजित

शंघाई, चीन। तमिल संघमम द्वारा तमिल नववर्ष समारोह आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में चीन में ब्रह्माकुमारीज़ की निदेशिका बीके सपना दीदी को आमंत्रित किया गया। शंघाई तमिल संघमम द्वारा शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूतावास के सहयोग से अपनी सेवा की 21वीं वर्षगांठ तमिल नववर्ष 'चित्राई थिरुविझा' के भव्य समारोह में मनाई गई। इस मौके पर शंघाई में संस्कृति के वाणिज्यदूत आदित्य प्रभु देसाई सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

मास्को, ताशकंद (रूस)। मास्को में भारतीय समुदाय के साथ रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मुलाकात की। इस दौरान निदेशिका बीके सुधा दीदी द्वारा अतिथि का स्वागत किया गया। इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने ब्रह्माकुमारीज़ की सेवाओं की प्रशंसा करते हुए सुधा दीदी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर भारतीय व्यापार गठबंधन (आईबीए) मास्को के अध्यक्ष मनोज कोटवानी ने व्यापार प्रतिनिधियों से मिलने के लिए अपने कार्यालय में आमंत्रित किया।

नई राहें

बीके पुष्पेंद्र, संयुक्त संपादक
शिव आमंत्रण, शांतिवन

मन: चेतना का कैनवास

एक कलाकार अपनी भावनाओं, विचारों, ज्ञान, अनुभव, समझ, महसूसता और कल्पना शक्ति के आधार पर जब कैनवास पर रंग भरता है तो वह कलाकृति जीवंत हो उठती है। उसमें सजीवता प्रकट हो जाती है, मानो रंगों का यह संसार बातें कर रहा हो। कई कलाकृतियां हृदय को झंकृत कर देती हैं और हमारी कल्पना शक्ति से परे होती हैं। कलाकार की रंगों से खेलने की यही कलाकारी और जादूगरी ही उसका पैमाना, स्तर तय करती है।

इसी तरह मन एक ऐसा अदृश्य कैनवास है जिस पर हर क्षण विचारों के रंग बिखरते रहते हैं। यह रंग या तो प्रेम, सुख, शांति, ज्ञान, स्नेह, अपनापन, दयालुता, सच्चाई, सेवाभाव, आनंद और शक्ति से भरे होते हैं या भय, चिंता, अहंकार, क्रोध और दुख से। जैसे कलाकार अपनी कूची से कैनवास पर चित्र बनाता है, वैसे ही विचार मन के कैनवास पर चित्र अंकित करते हैं।
इसमें विचारों, भावनाओं, व्यवहार के जो रंग हम भरते हैं, वही कर्म रूपी कलाकृति में आकार लेते हैं। विचारों रूपी रंग, बुद्धि और संस्कार रूपी कूची कर्मों के माध्यम से व्यक्तित्व के आकार को नित गढ़ती रहती है।

प्रसन्न मन से भरपूर व्यक्तित्व होता है सजीव-

यदि किसी का मन प्रसन्न है, शुभ-महान विचारों और भावनाओं से ओतप्रोत है तो वह व्यक्ति सजीव और सकारात्मक लगता है। उसके साथ बिताए कुछ पल ही मधुर स्मृतियों में अंकित हो जाते हैं। ऐसे व्यक्ति के आभामंडल में चुंबकीय आकर्षण रहता है जो अपने आसपास के वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर और खुशनुमा बना देता है। जिनकी उपस्थिति मात्र मन को सुकून और आनंद से भर देती है। यदि कोई मन से व्यथित है, परेशान है, भय और चिंता से ग्रसित है तो उसकी उपस्थिति भी उदासी का संचार करती है। ऐसे व्यक्ति के संपर्क में आने पर हीन भावना, सकारात्मक ऊर्जा की कमी को महसूस किया जा सकता है।

रंगों के चयन में सावधानी जरूरी-

कलाकार मन की कल्पनाओं को जब कैनवास पर उकेरता है तो वह इस कार्य में रंगों का चयन बड़ी ही सावधानी और सतर्कतापूर्वक करता है। किस रंग का संयोजन, किसके साथ बैठेगा और जंचेगा, इसकी समझ उसे बखूबी रहती है। यह समझ जिस कलाकार में जितनी गहरी और पारखी होती है, वह उतना बड़ा कलाकार बन जाता है। इसी तरह हमें खुद तय करना पड़ेगा कि अपनी जिंदगी में कैसे रंग भरना चाहते हैं? मन रूपी कैनवास पर कैसी कलाकृति उकेरना चाहते हैं? क्या विचार, भावनाओं और व्यवहार रूपी रंगों का संयोजन उस कलाकृति को आकार देने के योग्य है? क्या बुद्धि रूपी कूची विचारों रूपी रंगों के चयन में सावधानी और सतर्कता बरत रही है? कई बार चित्रकार पूरी कलाकृति में सुंदर रंग भर देता है, उसे जीवंत भी कर देता है लेकिन एक छोटी सी भूल उस पूरी कला में ग्रहण लगा देती है। ऐसे ही लोगों के जीवन में अनेक विशेषता, गुण और ज्ञान होने के बावजूद एक नकारात्मक संस्कार, व्यवहार या कर्म आत्मा रूपी कलाकृति पर ग्रहण लगा देता है। उसकी पूरी कलाकृति पर ही प्रश्नचिंह खड़े हो जाते हैं। लोग कलाकृति की सुंदरता को भूल उस एक कमी को ही इंगित करते हैं।

मन का चित्र संवारने की विधि है राजयोग ध्यान-

राजयोग की विधि से परम कलाकार, सृष्टि के सृजनहार परमपिता शिव परमात्मा मन-बुद्धि-संस्कार को अपने दिव्य ज्ञान के रंग से रंगकर, एक सुंदर आकार देकर आत्मा रूपी कलाकृति को गुणमूर्त, उदाहरणमूर्त, आदर्शमूर्त, दर्शनीयमूर्त बना देते हैं। जब आत्मा अपने स्रोत परमपिता से जुड़ती है तो वह स्वयं के चित्र को सकारात्मक और दिव्य ऊर्जा से भरपूर सुंदर चित्र का निर्माण करती है। इस प्रक्रिया में चार चरण महत्वपूर्ण होते हैं-
स्व-चिंतन: स्वचिंतन उन्नति की सीढ़ी है, परचिंतन पतन की जड़ है। सभी के लिए यह जानना बेहद जरूरी है कि मैं कौन हूं? वास्तव में मैं एक शांत, पवित्र आत्मा हूं। मैं आत्मा दिव्य गुणों, विशेषताओं से संपन्न हूं। मैं महान आत्मा हूं। मैं देवकुल की आत्मा हूं। मैं देवात्मा हूं। जब यह स्वचिंतन स्मृति पटक पर रहता है तो जैसी स्मृति-वैसी स्थिति बनती जाती है। यही श्रेष्ठ विचारों रूपी दिव्य स्मृति के रंग आत्मा की कलाकृति को सजाते, संवारते और आकार देते हैं।
स्मृति: परमात्मा को याद करने से मन में सदा पवित्र विचारों का प्रवाह बना रहता है। यह प्रवाह ऊर्ध्वगामी होता है जो निरंतर आत्मा की अवस्था को दिव्यता की ओर ले जाता है। निरंतर और लंबे काल की आत्मिक स्मृति के परिणामस्वरूप व्यक्तित्व दिव्यता, पवित्रता, सकारात्मकता एवं महानता से भरपूर हो जाता है।
विवेक: राजयोग ध्यान हमें सिखाता है कि कौन से विचार सही हैं, कौन से गलत हैं। कौन से विचार करना है, कौन से नहीं। मन को गाइड कैसे करना है। मन को मारना नहीं सुधारना है। मन को सही दिशा कैसे देनी है। राजयोग के अभ्यास से यह विवेक व्यक्ति के अंदर जागृत हो जाता है कि वह अपने आत्म कल्याण के लिए निरंतर स्व पुरुषार्थ के लिए प्रगतिशील और उत्साही बना रहता है।
सृजन: नवीनता और सृजनात्मकता दो ऐसे गुण हैं जो जीवन में उमंग-उत्साह का संचार करते हैं। मन के चित्र और चरित्र को सौंदर्यपूर्ण बनाते हैं। मानव मन एक दिन में 20-50 हजार विचारों का सृजन करता है। यह प्रक्रिया निरंतर चलती रहती है, जिसमें 80 फीसदी विचार नकारात्मक या व्यर्थ होते हैं। वहीं राजयोग के अभ्यास से विचार प्रक्रिया 10-20 हो जाती है। जितने कम, सुंदर, श्रेष्ठ, पवित्र विचार उतना शांत मन, सुंदर मन और आनंदमय जीवन होता है। राजयोग परमात्मा द्वारा सिखाया गया वह योग है जो आत्मा का तमोप्रधान से सतोप्रधान अवस्था में बदल कर देवत्व की ओर सृजित कर देता है।

जीवन प्रबंधन

ब्रह्माकुमारी शिवानी दीदी, जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ, अंतरराष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर, ब्रह्माकुमारीज की टीवी आइकॉन, गुरुग्राम

सदा सोचें- मैं मास्टर प्यार का सागर हूं...

श्रेष्ठ संकल्प तो जीवन जीने का नजरिया ही बदल देता है

आपको सबका सहयोग मिलता है क्योंकि आप सबको सहयोग देते हैं दुआएं देते हैं

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

परमात्मा कहते हैं मैं प्यार का सागर हूं तो तुम बच्चे भी मास्टर प्यार के सागर हो। पहले हम क्या कहते थे तेरी प्यार के एक बूंद के प्यासे हम। एक कहना मैं मास्टर प्यार का सागर हूं जैसे ही आत्मा ने ये संकल्प रचना की, रिकॉर्डिंग कौन सी हो गई। मैं मास्टर प्यार का सागर हूं। फीलिंग कौन सी क्रिएट हो जाएगी, कर्म में क्या आएगा लव। दूसरी थॉट क्रिएट करें मैं एक बुंद प्यार का प्यासा हूं, सारा दिन हम सबके पास जाऐंगे प्लीज मेरे से प्यार से बात करो। भगवान के बच्चे हैं प्यासे कैसे हो सकते हैं। आपका जो कुछ है वह किसका है? आपके बच्चों का है। आपका बच्चा आपके सामने रोज खड़े हो के ये नहीं कह सकता मम्मी-पापा आप तो बहुत अच्छे हो, आप तो सर्वगुण संपन्न हो, आप तो बहुत इंटेलीजेंट भी हो, आपके पास तो बहुत कुछ है मैं तो बिल्कुल नीच हूं, पापी हूं, कपटी हूं। कितने दिन सुनेंगे आपका बच्चा डेली अपनी गलानीं करता जा रहा है कितने दिन सुनेंगे? बहुत प्यार से कहेगा अपनी भाषा में मम्मी-पापा मुझे तो कुछ नहीं आता मैं तो पढ़ भी नहीं सकता आप तो डॉक्टर हो, मुझे तो कुछ नहीं आता मैं तो फेल होने वाला हूं। कितनी दिन सुनेंगे, क्या बोलेंगे उसको?

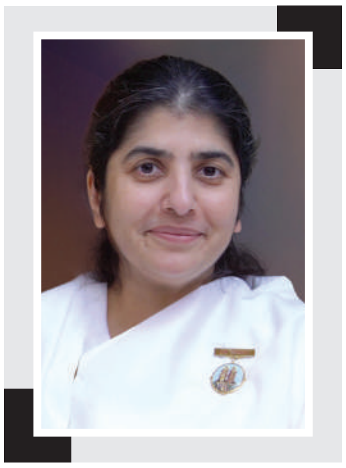

वातावरण शांत रहता है, कनेक्शन जोड़ना इजी हो जाएगा।

सबसे महत्वपूर्ण लाइन आप मेरे बच्चे हो, मेरा जो कुछ है वो आपका है। सोचो रोज भगवान के सामने मैं नीच हूं, पापी हूं, कपटी हूं, तेरे चरणों की दास हूं। वो कहता हैं तुम मेरे बच्चे हो। क्या बनना है? जो संकल्प हम क्रिएट करेंगे उसे फिल करेंगे, रेडिएट करेंगे। मैं मास्टर प्यार का सागर हूं, पांच मिनट बैठ गए, बाबा से शक्ति भरी, आज पूरे दिन में जो जो करना है उसको बताया वाइब्रेशन उसकी लेना शुरू कर दिया है, आधा काम हमने सुबह ही कर लिया। किसी से आज मीटिंग हैं, आपको लगता है थोड़ा कुछ गड़बड़ होने वाला, जब वो सो रहा है आप सुबह उठ के उससे बात करो। जब दूसरे लोग सो रहे होते हैं वातावरण शांत रहता है, कनेक्शन जोड़ना इजी हो जाएगा। किसी भी आत्मा को कोई मैसेज देना है, कोई बात समझानी है, वो सोए हुए हैं, आप बैठकर उनको वो मैसेज भेजते जाए। कुछ दिन करना है मैजिक होने लगेगा जीवन में।

लोगों को आगे बढ़ाने का प्रयास करें

सफलता शब्द को भी देखिए। सफलता सफल शब्द से आती है और सफल हम किसको कहते हैं? हम कहते हैं आज का दिन सफल रहा। आप और मैं एक घंटा बाते कर रहें और बातें करके मुझे बहुत अच्छा अनुभव हो तो मैनें क्या कहना है कि मेरा आज की शाम सफल रही। तो हमारा जीवन सफल हो। किसी के पास बहुत धन हो, समृद्धि हो, बहुत कुछ उन्होंने प्राप्त किया है, बहुत अच्छी बात है लेकिन बस उसे हो तो सफलता नहीं कह सकते ना। उसको हम कह सकते हैं व्यवसाय प्राप्तियां। जैसे एक बच्चा हैं उसने बहुत अच्छे नम्बर पा लिए लेकिन वो अपने दोस्तों से दूर हैं उनको बताता नहीं है कुछ भी जो उसको आता है। अगर उसके नंबर कम आ जाए तो दूसरे बच्चों से उसको घृणा होने लगती है, वो उदास हो जाता है, निराश हो जाता है, बस इस वजह से कि उसके थोड़े से नंबर कम आ गए, क्या इसको सफलता कहेंगे? इसको बस टॉपर कहेंगे। सफलता अर्थात वो बच्चे का मन स्थिर है, अगर दूसरे के नंबर उससे अच्छे आते हैं तो भी वह बहुत ख़ुश होता है, क्योंकि उसका नंबर उसका अस्तित्व नहीं है। हमारा हमारा सैलरी पैकेज, हमारा रोल हमारा अस्तित्व नहीं हैं। अगर किसी को मुझसे ज्यादा मिलता हैं तो उसको देख कर भी मुझे खुशी होती हैं, हम उसको और आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। हम पीछे गिराने का प्रयास नहीं करेंगे। जो ऐसा करता हैं क्या उसको सफल व्यक्ति कहेंगे।

मन सुकून में तो जीवन सफल...

अपने जीवन में कॉर्पोरेशन से चलेंगे, कॉम्पिटिशन एक रेस की तरह नहीं भागेंगे, की हमें बस औरों से आगे ही जाना है। ये तो जीवन जीने का नजरिया ही बदल देता है। सफलता अर्थात बहुत श्रेष्ठ संस्कार और जब बहुत सुंदर संस्कार होते हैं तो शरीर स्वस्थ होता है, आपके रिश्ते घर पर भी बहुत प्यारे होते हैं, जहां आप काम करते हैं वहां पर भी बहुत प्यारे रिश्ते होते हैं। आपको सबका सहयोग मिलता है क्योंकि आप सबको सहयोग देते हैं दुआएं देते हैं। जिसके कर्म सही हो, जिसके संस्कार श्रेष्ठ हो उसकी व्यवसाय प्राप्तियां कम हो ये हो नहीं सकता है।

ये हो सकता है किसी और की रिफरेन्स में मेरी थोड़ी सी कम हो सकती है, लेकिन मैं हमेशा अपने आप को दूसरों के साथ कंपेयर करती रहूं तो हमेशा मेरे पास कुछ न कुछ कम रहेगा, लेकिन मुझे अपने जीवन को देखना हैं। मन की खुशी, शहर का स्वास्थ्य, परिवार के साथ रिश्ते, लोगों के साथ रिश्ते और मेरा व्यवसायिक प्राप्तियां ये चारों बातें संतुलन में होनी चाहिए। हमारे जीवन में एक पहलू तो बहुत लंबा है हमने तो बहुत कुछ प्राप्त कर लिया लेकिन मन सुकून में नहीं हैं, क्या इस जीवन को सफल जीवन कहेंगे?

समस्या- समाधान

भगवान ने स्वयं स्वर्णिम भारत बनाने का आंदोलन शुरू किया

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

- राजयोगी बीके सूरज भाई, माउंट आबू

राजयोग मेडिटेशन है स्वयं को सुप्रीम पॉवर से जोड़ने का। भगवान ऊर्जा का सर्वोच्च स्रोत है जिससे सारे संसार को ऊर्जा मिल रही है। इसलिए निराकार है, क्योंकि जो सत्ता जितनी सूक्ष्म होती है उतनी ही पॉवरफुल होती है। यदि हम भी स्वयं को भगवान से जोड़ेंगे तो हम भी शक्तिशाली हो जाएंगे। जिस शक्ति की हम चर्चा करते हैं कि मनुष्य को पॉवरफुल होना चाहिए वह शक्ति हमारे मन में रहती है। आत्मा में दो महत्तवपूर्ण शक्तियां हैं मन और बुद्धि। बुद्धि में विवेक भरता है और शक्तियां भरती हैं। मन में शक्तियां निवास करती हैं इसलिए इसे मनोबल कहते हैं। हमारी सारी पॉवर मन में रहती हैं।

हमें अपने मन को शक्तिशाली बनाने की विधि सीखनी है ताकि जीवन में या परिवार में कुछ भी हो जाए दिमाग पर नकारात्मक प्रभाव ना पड़े। जब मन में नकारात्मक और व्यर्थ विचार अधिक चलने लगते हैं तो मन की शक्तियां नष्ट हो जाती हैं। हम सर्वशक्तिवान पिता की संतान हैं इसलिए हम भी शक्तिवान हैं। स्वयं को भ्रकुटी में स्थित शक्तिशाली आत्मा अनुभव करना है और महसूस करना है कि मुझ आत्मा से शक्तियों कि लाल प्रकाश की ऊर्जा चारों ओर फैल रहीं हैं। ये ऊर्जा हमारे चारों ओर एक आभामण्डल का निर्माण करती है।

हम हैं अपने भाग्य निर्माता

मनुष्य के पास इतनी पॉवर है वह अपने भाग्य का स्वयं निर्माता है। रोज सवेरे उठने के बाद 10 मिनट का समय बहुत महत्त्वपूर्ण होता है क्योंकि उस समय हमारा अवचेतन मन जाग्रत अवस्था में होता है। हमें अपने कार्यों की सफलता के लिए मानसिक ऊर्जा की अति आवश्यकता होती है। हम बहुत पॉवरफुल हैं ये अभ्यास यदि सवेरे उठते ही 7 बार कर लिया जाए तो हमारी घबराहट समाप्त हो जाएगी। यदि ये अभ्यास करते रहते हैं तो स्वयं को बहुत ऊर्जावान और शक्तिशाली अनुभव करेंगे।

संकल्पों का प्रकृति पर पड़ता है प्रभाव

अपने मित्र-संबंधियों को पारिवारिक संबंध मधुर बनाने की कला सिखानी है। जैसे-जैसे हम भौतिक विकास में आगे बढ़ रहे हैं जीवन में सुख लोप होता जा रहा है, संबंधों का प्यार समाप्त होता जा रहा है। संसार दो चीजों से मिलकर चल रहा है- पुरूष यानी आत्मा और प्रकृति। हम जो संकल्प करते हैं उसकी तरंगें प्रकृति में पहुंचती हैं। प्रकृति और हमारे विचारों के बीच निरंतर प्रतिक्रिया चलती रहती है।

सुबह मोबाइल फोन का प्रयोग न करें

सवेरे उठते ही मोबाइल फोन का प्रयोग और अखबार आदि नहीं पढ़ना है। उठते ही वो संकल्प करना है जो हम पाना चाहते हैं। हमें सफलता चाहिए तो संकल्प करें कि मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूं और सफलता मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है। हमें जो ईश्वरीय ज्ञान मिल रहा है उसमें सिखाया जाता है कि हम अपनी शुभ भावनाओं द्वारा शत्रु को भी अपना मित्र बना सकते हैं। हमें सबको जरूरत है स्वयं को अध्यात्मिक शक्ति से भरपूर करना। सबकी मन व बुद्धि की ऊर्जा सारा दिन कार्य करने में बहुत खर्च होती है। जैसे हम भोजन करते हैं, पानी पीते हैं ताकि शरीर को सारा दिन कार्य करने के लिए ऊर्जा मिलती रहे, अन्यथा शरीर की क्षीण हो जाएगी। उसी प्रकार मन व बुद्धि को भी कार्यरत रखने के लिए आत्मिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है। इसलिए योग की शक्ति द्वारा आत्मा को चार्ज करना है तब जीवन में आनंद का अनुभव कर सकेंगे। हमें अपने मनोबल को बढ़ाकर रखना है। अगर मन में शक्ति है तो जीवन में आने वाली हर परीक्षाओं को हंसते-हंसते पास कर लेंगे। अब स्वयं भगवान ने भारत को स्वर्णिम भारत बनाने का आंदोलन शुरू किया है और उसमें हम सबको सहयोगी बनना है। ये काम केवल सरकार का नहीं है। जब राजनीतिक और अध्यात्मिक शक्ति दोनों साथ मिलकर काम करेंगी तब यह काम हो सकता है। इसलिए हम सबको मिलकर इस आंदोलन में हिस्सा लेना है। आध्यात्मिक शक्ति को स्वयं में भर लेने से बुद्धि दिव्य हो जाती है। संसार में जिस तरह से मानसिक समस्याएं बढ़ रहीं हैं उसमें लोगों की मदद करनी है।

RNI No.: RAJHIN/2013/53539, Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2024-26. Posting at Shantivan- 307510 (Abu Road)
Licensed to Post without pre-payment No. RJ/WR/WPP/18/2024-26, Posting on 17 to 20 of Each Month, Published on 14 June. 2025
» प्रकाशक व मुद्रकः करुणाकर शेट्टी द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं शिव आमंत्रण, ब्रह्माकुमारीज़ शांतिवन, आबू रोड, राजस्थान से प्रकाशित » संपादकः बीके कोमल » संयुक्त संपादकः बीके पुष्पेन्द्र